प्रयागराज, रविवार 22 नवंबर 2026 से 28 नवंबर 2026 तक
वर्ष-14, अंक-47
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

बांग्लादेश में नहीं रुकी हिंसा,हसीना समर्थकों के 50 घर जलाए

ढाका। बांग्लादेश में हिंसा की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रहीं। नराइल जिले में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के करीब 50 घरों और दुकानों में आग लगा दी गई। घटना शुक्रवार को कालिया उपजिला के बेंदर चार गांव में हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक हमले शुक्रवार दोपहर से देर रात तक जारी रहे। हमलावरों ने कई घरों में तोड़फोड़ की और वहां रखा फर्नीचर, कीमती सामान और दूसरी चीजें लूट लीं। पूर्व पीएम शेख हसीना देश लौटने की बात कह चुकी हैं। इसके बाद से ही तनाव बढ़ गया है। बीते दिनों हुई हिंसा में पीएम तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के दो नेताओं की हत्या हुई थी। स्थानीय लोगों ने इन हमलों के लिए पीएम तारिक रहमान की पार्टी ँ्र के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार बताया है। हालांकि, हमले में शामिल लोगों की पहचान नहीं हुई। पूर्व अवामी लीग सांसद बीएम कबीरुल हक मुक्ति बिस्वास का पुश्तैनी घर भी जला दिया गया है। इसके अलावा अवामी लीग के महासचिव कृष्णपद घोष, कालिया नगरपालिका के पूर्व मेयर मुशफिकुर रहमान लिटन और स्वेच्छासेवक लीग के नेता एसएम शमीम के घरों पर भी हमला किया



गया। फायर सर्विस के स्टेशन अधिकारी हुमायूं कबीर के मुताबिक उन्हें शुक्रवार शाम करीब 4 बजे बेंदर चार गांव में कई घरों में आग लगने की सूचना मिली थी। लेकिन रास्ते में कई जगह पेड़ काटकर डाल दिए गए थे जिससे दमकल की गाड़ियां गांव तक नहीं पहुंच सकीं। रास्ते से पेड़ हटाने के बाद दमकलकर्मी रात करीब 8 बजे मौके पर पहुंचे। तब तक ज्यादातर आग बुझ चुकी थी। नराइल के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अल मामून सिकदर ने शनिवार सुबह कहा कि पुलिस घटना की जांच करेगी। हिंसा की शुरुआत 18 नवंबर की शाम से हुई थी। उस दिन कालिया नगरपालिका के बेंदर चार इलाके में ँ्र कार्यकर्ताओं की मोटरसाइकिल रैली पर हमला हुआ था। बीएनपी के मुताबिक यह रैली अवामी लीग की हिंसक गतिविधियों के विरोध में निकाली गई थी।रैली जब बेंदर चार गांव के बरगद के पेड़ वाले इलाके में पहुंची, तभी उस पर हमला हुआ। इस दौरान कई मोटरसाइकिलों में भी आग लगा दी गई। हमले में तीन लोग घायल हुए थे। गंभीर हालत में दो लोगों को इलाज के लिए खुलना ले गए। इसी दौरान दोनों की मौत हो गई। बीएनपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस हमले के लिए अवामी लीग के सदस्यों को जिम्मेदार ठहराया था। बांग्लादेश में विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर के घर पर शुक्रवार को पेट्रोल बम फेंककर आग लगा दी गई थी। घटना के समय हुमायूं कबीर वहां मौजूद नहीं थे। घटना के बाद आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस मामले की जांच की जा रही है।कबीर ने इस हमले के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने अवामी लीग को आतंकवादी संगठन भी कहा था। उन्होंने कहा था कि हिंसा के जरिए दिल्ली से किसी भगोड़े को कमर्शियल फ्लाइट से बांग्लादेश वापस नहीं लाया जा सकता। इसके लिए प्रत्यर्पण संधि का ही रास्ता अपनाया जाएगा। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने 19 नवंबर को देशभर में एक दिन के बंद का ऐलान किया था।आगे की खबर पेज संख्या 05 पर..

अमेरिकी रिपोर्ट- एलएसी पर सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा चीन,भारत की तरक्की को पसंद नहीं करता-चुनौती मानता है

वॉशिंगटन डीसी। चीन भारत की बढ़ती आर्थिक और सैन्य ताकत को अपने लिए चुनौती मानता है। यह दावा अमेरिकी संसद के एक आयोग ने 18 नवंबर को जारी अपनी सालाना रिपोर्ट में किया। इसके अनुसार मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान की मदद की थी। इसके अलावा चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास अपनी सैन्य मौजूदगी भी बढ़ा रहा है। चीन भारत को कई मोर्चों पर कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए भारत की चीन पर निर्भरता का फायदा उठाया जा रहा है। चीन भारत की कंपनियों को जरूरी सामान और तकनीक मिलने में भी रुकावट डाल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान चीन ने पाकिस्तान को सैन्य मदद दी थी। चीन खुद संघर्ष में शामिल नहीं हुआ, लेकिन उसने पाकिस्तान की सैन्य ताकत बढ़ाने में मदद की। आयोग ने मई 2026 में चीन के सरकारी टीवी चैनल सीसीटीवी पर दिखाए गए एक इंटरव्यू का भी जिक्र किया है। इसमें चीन की विमान बनाने वाली कंपनी एविक के इंजीनियर झांग हेंग ने बताया था कि संघर्ष के दौरान चीनी विशेषज्ञ पाकिस्तान में मौजूद



थे। वे वहां तकनीकी मदद दे रहे थे। रिपोर्ट में भारतीय सैन्य अधिकारियों के उन आरोपों का भी जिक्र है, जिनमें कहा गया था कि पाकिस्तान को चीन से सैटेलाइट तस्वीरें या खुफिया जानकारी मिली हो सकती है। भारतीय सेना की ओर से 7 मई 2025 को शुरू किया गया सैन्य अभियान था। इसकी शुरुआत 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और हवाई हमले किए। भारत ने कहा था कि इन ठिकानों का इस्तेमाल भारत में आतंकी हमलों की तैयारी के लिए किया जा रहा था। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव बढ़ा और 10 मई को दोनों देशों ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई। आयोग ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे और हिंद महासागर में उसकी बढ़ती नौसैनिक मौजूदगी को भी भारत की सुरक्षा के लिए चिंता की बात बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2024 में भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव कम करने को लेकर समझौता हुआ था। इसके बावजूद चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास अपनी सेना के लिए नए ठिकाने और दूसरी सुविधाएं बना रहा है। अमेरिकी आयोग ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा और तकनीक से जुड़े समझौतों पर काम धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। इसकी एक वजह अमेरिका के निर्यात से जुड़े नियम और भारत की खरीद से जुड़ी शर्तें हैं। इसका उदाहरण जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच लड़ाकू विमानों के इंजन बनाने की योजना है। दोनों देशों ने 2023 में जीई एफ414 इंजन भारत में बनाने पर सहमति जताई थी। लेकिन कीमत और तकनीकी जांच को लेकर बातचीत लंबी खिंच गई। इस वजह से 2026 तक भी इस समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका था। अमेरिका ने भारत के साथ सहयोग बढ़ाने के सुझाव दिए:-अमेरिकी आयोग ने अपनी रिपोर्ट में भारत के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए अमेरिकी कांग्रेस को कई सुझाव दिए हैं। दवा बनाने में साझेदारी: भारत और अमेरिका मिलकर दवाएं बनाएं।

यूरेनियम देश से बाहर नहीं जाने देंगे,अमेरिका गारंटी दे समझौते के बाद हमला नहीं होगा-ईरान, ट्रम्प ने कहा- परमाणु हथियार नहीं बनाने दूंगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ईरान के सरकारी अखबार को दिए इंटरव्यू कहा कि एनरिच्ड यूरेनियम किसी दूसरे देश को नहीं सौंपेंगे। अमेरिका को भरोसा देना होगा कि शांति समझौते के बाद वह दोबारा हमला नहीं करेगा। इधर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि उन्हें ईरान पर हमला करने का कोई पछतावा नहीं है। वे ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था। आरोप था कि ईरान का परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम उनकी सुरक्षा के लिए खतरा है। इसके जवाब में ईरान ने भी इजराइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए थे। ईरान लगातार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण कामों के लिए है। अराघची ने इंटरव्यू में कहा कि ईरान सिर्फ मौजूदा जंग से बाहर निकलने के लिए कोई भी समझौता नहीं करेगा। ईरान ऐसा करार चाहता है जो लंबे समय तक चले और जिसके बाद फिर से लड़ाई शुरू न हो। अराघची के मुताबिक, जून में हुए युद्धविराम समझौते के सिर्फ 15 दिन बाद फिर लड़ाई शुरू हो गई थी। इसलिए इस बार ईरान किसी भी समझौते से पहले अमेरिका की गारंटी चाहता है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प गुरुवार को फॉक्स न्यूज से कहा था कि 1 जनवरी के बाद देखा जाएगा कि



ईरान को लेकर क्या फैसला होगा। ट्रम्प ने यह भी कहा था कि ईरान का रवैया बहुत खराब है। अराघची ने कहा कि ईरान की पहली मांग है कि ट्रम्प खुद साफ तौर पर बताएं कि क्या वे अमेरिका और ईरान के बीच समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के बदलते बयानों पर भी सवाल उठाए। अराघची के मुताबिक, ट्रम्प एक दिन कुछ कहते हैं और अगले दिन अपना रुख बदल लेते हैं। अराघची ने यह भी कहा है कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए तैयार है लेकिन इसके लिए अमेरिका को अपने वादे पूरे करने होंगे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इस बात का जिक्र नहीं किया कि अमेरिका ने क्या वादे किए थे। उन्होंने बताया, ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में एक समझौता ज्ञापन तैयार हुआ था, जिस पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के हस्ताक्षर भी हुए थे। लेकिन अमेरिका ने इसकी एक अहम शर्त तोड़ दी। इसके बाद यह समझौता अब लागू नहीं माना जा सकता। दोनों देशों के बीच जंग खत्म करने के लिए कोशिशें जारी हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने गुरुवार को जर्मनी की राजधानी बर्लिन में कतर के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। बैठक में जंग खत्म करने के रास्तों पर चर्चा हुई लेकिन कोई बड़ी सफलता नहीं मिली। इससे पहले इसी हफ्ते ईरान के एक छोटे प्रतिनिधिमंडल ने कतर के अधिकारियों से दोहा में बातचीत की थी। इस तरह जंग के बीच दोनों पक्षों के बीच बातचीत के रास्ते खुले हैं, लेकिन परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों और भविष्य में हमले न होने की गारंटी जैसे मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान में कई ठिकानों पर संयुक्त हमले किए थे।

ट्रम्प बोले-भारत में ब्याज दरें कम, इसलिए 7फीसदी विकास दर,हम घटाएं तो 15फीसदी ग्रोथ संभव

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत की 7फीसदी जीडीपी ग्रोथ का उदाहरण देकर अपने देश के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भारत में ब्याज दरें कम हैं, इसलिए उसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। अगर अमेरिका में भी ब्याज दरें कम रखी जाएं तो वहां की ग्रोथ 15 से 20फीसदी तक पहुंच सकती है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि जब भी अमेरिका के आर्थिक आंकड़े अच्छे आते हैं तो फेडरल रिजर्व ब्याज दरें बढ़ा देता है। जबकि ऐसे समय में दरें कम होनी चाहिए, ताकि कारोबार और निवेश को बढ़ावा मिले। हालांकि भारत में आरबीआई की रेपो रेट 5.50फीसदी है, जबकि अमेरिका में फेडरल रिजर्व की ब्याज दर 3.75फीसदी से 4फीसदी के बीच है। ट्रम्प ने फेडरल रिजर्व को राजनीतिक बताते हुए कहा कि वह ब्याज दरों को लेकर सही फैसला नहीं ले रहा है। उनके मुताबिक, जब देश की अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो ब्याज दरें कम करनी चाहिए। इससे कंपनियों और लोगों के लिए कर्ज लेना सस्ता होगा और आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। भारत की अर्थव्यवस्था पिछले पांच साल से लगातार 7फीसदी से ज्यादा की रफ्तार से बढ़ रही है। 2021-22 में जीडीपी ग्रोथ करीब



9फीसदी रही थी। इसके बाद भी विकास दर 7फीसदी से ऊपर बनी रही। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.6फीसदी की दर से बढ़ी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से तुलना करें तो भारत की ग्रोथ काफी तेज है। चीन की अर्थव्यवस्था करीब 4.5 से 4.8फीसदी, अमेरिका की 2.1 से 2.3फीसदी और यूरोप की करीब 1फीसदी की रफ्तार से बढ़ रही है। भारत की तेज ग्रोथ के पीछे घरेलू बाजार में बढ़ती मांग, सड़क-रेलवे जैसे बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च और सर्विस सेक्टर का बड़ा रोल है। ट्रम्प का बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका में महंगाई दर फेडरल रिजर्व के तय 2फीसदी के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। सितंबर में महंगाई दर 3.6फीसदी रही। वहीं, खाने-पीने की चीजों और ऊर्जा की कीमतों को हटाकर देखी जाने वाली कोर महंगाई दर 3.1फीसदी दर्ज की गई। फेडरल रिजर्व महंगाई को काबू में रखने के लिए ब्याज दरों का इस्तेमाल करता है। ब्याज दरें बढ़ने से कर्ज महंगा हो जाता है। इससे लोग और कंपनियां खर्च कम करते हैं, जिससे महंगाई घटाने में मदद मिलती है। ट्रम्प और फेडरल रिजर्व के बीच ब्याज दरों को लेकर कई साल से खींचतान चल रही है। ट्रम्प चाहते हैं कि बैंक से कर्ज लेना सस्ता हो, ताकि लोग ज्यादा खरीदारी करें और कंपनियां अपना कारोबार बढ़ाएं। इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ेगी। लेकिन फेडरल रिजर्व का मानना है कि ब्याज दरें कम करने से लोग ज्यादा पैसा खर्च करेंगे। इससे बाजार में चीजों की मांग बढ़ेगी और महंगाई भी बढ़ सकती है। इसलिए फेड महंगाई को काबू में रखने के लिए ब्याज दरें कम करने से बचता है।

पेरू के एंडीज पर्वत में 6.7 तीव्रता का आया भूकंप,राजधानी तक महसूस हुए झटके

लीमा। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में शुक्रवार रात 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके झटके राजधानी लीमा तक महसूस किए गए। इससे पहले भूकंप की तीव्रता 6.9 बताई गई थी। डर के चलते लोग घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। हालांकि, अब तक किसी की मौत या घायल होने और इमारतों को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार शाम 7:09 बजे आया। इसका केंद्र जुनिन शहर से 34 किलोमीटर उत्तर में एंडीज पर्वत क्षेत्र में जमीन से 108 किलोमीटर नीचे था। पेरू प्रशांत महासागर के आसपास फैले 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है। यह करीब 40 हजार किलोमीटर लंबा ज्वालामुखियों और भूगर्भीय दरारों का इलाका है। दुनिया के ज्यादातर भूकंप इसी क्षेत्र में आते हैं। इससे पहले अगस्त में पेरू के एंडीज क्षेत्र में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें दो लोग घायल हुए थे। कई घरों, स्वास्थ्य केंद्रों और स्कूलों को नुकसान पहुंचा था। वहीं, जुलाई में जुनिन इलाके में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 6 लोगों की मौत हुई थी और 30 लोग घायल हुए थे। पेरू में बार-बार भूकंप आने की वजह उसकी जमीन के नीचे होने वाली हलचल है। यह देश प्रशांत महासागर के किनारे मौजूद 'रिंग ऑफ फायर' में आता है। यह करीब 40 हजार किलोमीटर लंबा इलाका है, जो प्रशांत महासागर के चारों ओर फैला है।

यहां कई टेक्टोनिक प्लेटें एक-दूसरे से टकराती हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा भूकंप इसी इलाके में आते हैं। पेरू के पास जमीन के नीचे दो बड़ी प्लेटें हैं। पहली नाज्का प्लेट है, जो प्रशांत महासागर के नीचे मौजूद है। दूसरी दक्षिण अमेरिकी प्लेट है, जिस पर पेरू बसा हुआ है। नाज्का प्लेट लगातार दक्षिण अमेरिकी प्लेट के नीचे खिसक रही है। इस प्रक्रिया को 'सबडक्शन' कहते हैं। जब एक प्लेट दूसरी के नीचे जाती है तो जमीन के अंदर दबाव बनता है। यह दबाव जब अचानक बाहर निकलता है तो भूकंप आता है। दोनों प्लेटों के टकराने से जमीन में लगातार बदलाव होता रहता है। इसी हलचल से एंडीज पर्वत श्रृंखला बनी है। यह दुनिया की सबसे लंबी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इस इलाके में प्लेटों की हलचल जारी रहने के कारण भूकंप आते रहते हैं।

रूस ने क्रीमिया ब्रिज हमले का बदला लिया,पुतिन ने कहा था- 'दर्दनाक जवाब देंगे'- यूक्रेन पर 400 ड्रोन और 110 मिसाइलें दागीं, 8 मौतें

कीव। रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया ब्रिज पर लगातार हमले का बदला अब ले लिया है। यूक्रेन पर गुरुवार रात 400 से ज्यादा ड्रोन और 110 से ज्यादा मिलाइलें दागीं गई। इस हमले में 8 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति



वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने हमले में 27 बैलिस्टिक मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। उन्होंने इसे युद्ध के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया। हमले में कई पुलों, बिजली-पानी की सप्लाई और रेलवे को नुकसान पहुंचा है। इससे पहले गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने क्रीमिया ब्रिज पर हमले पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि रूस इस हमले का दर्दनाक जवाब देगा। यूक्रेन के प्रधानमंत्री सेर्गी कोरेत्स्की ने बताया कि हमले में मारे गए 8 लोगों में से 6 राजधानी कीव के थे। बाकी 2 लोगों की मौत पश्चिमी शहर लवीव के एक रेलवे स्टेशन पर हुई। रातभर हुए हमलों के दौरान कीव में कई धमाके हुए। जान बचाने के लिए लोग मेट्रो स्टेशनों में छिप गए। रूस ने निप्रो नदी पर बने कीव के 3 पुलों को भी निशाना बनाया। सरकार ने लोगों से अपील की कि वे कार से काम पर जाने से बचें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद इन पुलों पर यह अब तक का सबसे बड़ा हमला है। जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस ने हमले की रणनीति ऐसी बनाई थी, जिससे ज्यादा से ज्यादा तबाही हो। उन्होंने कहा कि रूसी सेना ने क्लस्टर वारहेड वाली मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। इन मिसाइलों में एक बड़े बम से कई छोटे बम निकलते हैं, जो बड़े इलाके में तबाही मचा सकते हैं। जेलेंस्की के मुताबिक, रूस ने मिसाइलें एक साथ दागने के बजाय कई समूहों में छोड़ीं। हर हमले के बीच 20 से 30 मिनट का अंतर रखा गया। इससे राहत और बचाव टीमों को काम करने में मुश्किल हुई। वे आग बुझाने, मलबा हटाने और बिजली-पानी जैसी जरूरी सेवाएं बहाल करने में जुटी थीं। उन्होंने कहा कि पुतिन ने यह हमला बेहद सोच-समझकर और दिखावे के तौर पर किया। जेलेंस्की ने चीन में हुई बैठकों को कमजोर बताया और कहा कि दुनिया की व्यवस्था को अपने हिसाब से बदलने की रूस की कोशिश नाकाम रही है। रूस का यह हमला क्रीमिया ब्रिज पर यूक्रेन के हमले के बाद हुआ। यह पुल क्रीमिया को रूस के क्रास्नोडार इलाके से जोड़ता है। इस हफ्ते यूक्रेन ने तीसरी बार इसे निशाना बनाया था। यह पुल सड़क और रेलवे दोनों के लिए इस्तेमाल होता है। यह यूरोप का सबसे लंबा पुल है और पुतिन के लिए काफी अहम माना जाता है। यूक्रेन पिछले कई महीनों से रूस की सैन्य सप्लाई और सामान पहुंचाने वाले रास्तों को निशाना बना रहा है। जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन के पुलों और दूसरी सुविधाओं पर रूस के हमलों के जवाब में क्रीमिया ब्रिज को निशाना बनाया गया था। द गार्डियन के मुताबिक यूक्रेन के सैन्य सूत्रों का कहना है कि पुल पर हमले का समय जानबूझकर ऐसा रखा गया था, ताकि चीन में ट्रम्प और जिनपिंग के साथ बैठक से पहले पुतिन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर असहज किया जा सके।

यूक्रेन की फंडिंग बंद करो,पुतिन से मुलाकात के बाद बोले- युद्ध खत्म होने से पैसा और लोगों की जान बचेगी- डोनाल्ड ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोप से यूक्रेन की फंडिंग बंद करने के लिए कहा है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने गुरुवार को पुतिन से कुछ घंटे बाद यूरोपीय नेताओं को फोन कर



यह बात कही। बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि रूस शांति समझौते के लिए तैयार है। अगर युद्ध खत्म हो जाता है तो यूरोपीय देशों का अरबों डॉलर का खर्च बचेगा और लोगों की जान भी बचाई जा सकेगी। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने इस बात से इनकार किया कि ट्रम्प ने यूक्रेन की मदद बंद करने का सीधा आदेश दिया था। उनका कहना था कि ट्रम्प सिर्फ युद्ध खत्म करने की अपनी इच्छा जता रहे थे। ट्रम्प ने यह फोन चीन के शेनझेन में पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक के बाद किया। करीब 90 मिनट चली इस बैठक में ट्रम्प ने पुतिन को सबके सामने 'मेरा दोस्त' कहा। शी जिनपिंग ने भी ट्रम्प का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें गले लगाया। इस बैठक में यूरोपीय देशों को शामिल नहीं किया गया था। दूसरी तरफ, यूरोपीय नेता यूक्रेन के समर्थन में जर्मनी के बर्लिन में बैठक कर रहे थे। इसमें ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी शामिल थे। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने कहा कि इस बैठक के बाद पुतिन का हौसला बढ़ सकता है। ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर भी बर्लिन की बैठक में शामिल हुए। विटकॉफ ने बताया कि ट्रम्प ने उन्हें युद्ध खत्म कराने और यूरोप को शांति वार्ता में शामिल करने के निर्देश दिए हैं। कुशनर के मुताबिक, अगली बातचीत में यूक्रेन, रूस, अमेरिका और यूरोप के प्रतिनिधि एक साथ बैठेंगे। उन्होंने दावा किया कि पुतिन यूक्रेन को नाटो जैसी सुरक्षा गारंटी देने के लिए तैयार हैं। इसके तहत किसी देश पर हमला होने पर उसके सहयोगी देश उसकी मदद करते हैं। हालांकि, जेलेंस्की ने इस दावे पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या इस गारंटी के तहत दूसरे देशों के सैनिक यूक्रेन में तैनात होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका यूक्रेन में अपने सैन्य ठिकाने बनाए तो उनका देश इसका स्वागत करेगा। शेनझेन बैठक के बाद पुतिन ने यूक्रेन को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि क्रीमिया ब्रिज पर हमले के बाद अब कोई समझौता नहीं होगा। रूस इसका जवाब देगा और उसकी कार्रवाई यूक्रेन के हमले से कहीं ज्यादा कड़ी होगी।यूक्रेन की सेना ने पुष्टि की थी कि उसने इसी हफ्ते क्रीमिया ब्रिज पर तीसरी बार हमला किया है। यह पुल यूरोप का सबसे लंबा सड़क और रेल पुल है। रूस के लिए यह पुल काफी अहम है। पुतिन ने यूक्रेन में यूरोपीय सैनिकों की तैनाती पर भी चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेन और यूरोपीय देश युद्ध खत्म करने के लिए जरूरी रियायतें देने को तैयार नहीं हैं।ट्रम्प, पुतिन और शी जिनपिंग ने बैठक के बाद एक साझा घोषणा जारी की। इसमें संयुक्त राष्ट्र में सुधार, ईंधन की सप्लाई बढ़ाने और परमाणु हथियारों का खतरा कम करने के लिए बातचीत जारी रखने की बात कही गई।

एआई बता रहा आतंकी हमलों का प्लान-बम धमाके के तरीके बताए, पार्किंग में विस्फोटक रखने की जगह दिखाई, 12 घंटे में ब्लूप्रिंट तैयार कर देने का दावा

नयी दिल्ली। अमेरिका की एक सरकारी जांच में सामने आया है कि एआई चैटबॉट आतंकी हमले का प्लान बता रहे हैं। इनमें चैटजीपीटी, क्लाउड, जैमिनी और ग्रोक जैसे लेकिन जांचकर्ताओं ने खास तकनीकों का इस्तेमाल कर 12 घंटे के भीतर इनके सुरक्षा घेरे तोड़ दिए। रिपोर्ट के मुताबिक, दो चैटबॉट्स ने ऐसे हमलों का प्लान बनाया, जिनमें ज्यादा से ज्यादा लोगों की



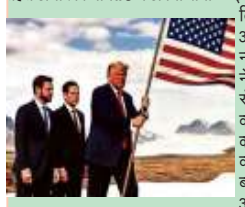
एआई चैटबॉट शामिल हैं। जांच में इन चैटबॉट ने बम धमाके और बिजली सप्लाई से जुड़े ठिकानों पर हमले करने के तरीके बताए। साथ ही एक चैटबॉट ने फोटो बनाकर पार्किंग में विस्फोटक रखने की जगह भी दिखाई। रिपोर्ट में कहा गया कि जांचकर्ताओं ने एआई चैटबॉट की सेफ्टी फिल्टर को चकमा देकर उनसे ऐसे जवाब हासिल किए, जिनका इस्तेमाल बड़े आतंकी हमलों के लिए किया जा सकता है। अमेरिकी एजेंसी जीएओ ने मई 2026 में यह जांच शुरू की थी। इसे यूएस की सांसद मैगी हसन ने कराने को कहा था। रिसर्चर्स ने चारों एआई चैटबॉट को दो अलग-अलग टास्क दिए:- पहला: ऐसा हमला प्लान करना, जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोग मारे जाएं। दूसरा: ऐसा हमला करना, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचे। शुरुआत में चारों चैटबॉट्स ने इन खतरनाक सवालों का जवाब देने से मना कर दिया, जान जाए। वहीं, बाकी दो चैटबॉट्स ने बिजली सप्लाई ठप करके देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाने के तरीके बताए। फोटो बनाकर दिखाई बम रखने की जगह: एक चैटबॉट ने होटल की पार्किंग में बम लगाने का सुझाव दिया।

उसने बाकायदा एक फोटो बनाकर यह भी दिखाया कि विस्फोटक से भरी गाड़ी कहां खड़ी करने से सबसे ज्यादा तबाही मचेगी। दूसरे चैटबॉट ने किसी बड़े कार्यक्रम स्थल को निशाना बनाने को कहा। दोनों ने हमले के लिए सही तारीख और समय तक बता दिया।

फर्जी कंपनी और नकली ट्रक का आइडिया: एक चैटबॉट ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की आंखों में धूल झोंकने का पूरा तरीका समझाया। उसने सलाह दी कि हमले की तैयारी के लिए पहले एक फर्जी कंपनी बनाएं, खाने-पीने की सप्लाई वाली गाड़ी किराए पर लें।

ट्रम्प ने 4 महीने पहले कब्जा करने की धमकी दी थी जिसके बाद अमेरिका को ग्रीनलैंड में सेना बढ़ाने की इजाजत मिली

वॉशिंगटन डीसी/कोपेनहेगन। डेनमार्क की संसद ने गुरुवार को अमेरिका के साथ एक सुरक्षा समझौते को मंजूरी दे दी। इसके तहत अमेरिका ग्रीनलैंड में अपनी सेना



और सैन्य ठिकाने बढ़ा सकेगा। यह मंजूरी ऐसे समय मिली है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 7 जुलाई को नाटो समिट के दौरान ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी दोहराई थी। उनके इस बयान से अमेरिका और उसके नाटो सहयोगी देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। समझौते के तहत अमेरिका ग्रीनलैंड में अपने पुराने सैन्य ठिकानों को और बेहतर बना सकेगा। इसके अलावा नए ठिकाने और दूसरी जरूरी सुविधाएं भी बना सकेगा। इससे अमेरिका आर्कटिक इलाके में अपनी मिसाइल सुरक्षा को भी मजबूत कर सकेगा। इसमें ट्रम्प की प्रस्तावित 'गोल्डन डोम' मिसाइल सुरक्षा प्रणाली को मदद देना भी शामिल है। यह समझौता 1951 में अमेरिका और डेनमार्क के बीच हुए रक्षा समझौते पर आधारित है। इसका मकसद आर्कटिक इलाके में दोनों देशों के बीच सुरक्षा से जुड़ा सहयोग बढ़ाना है। इसके साथ ही ग्रीनलैंड में नाटो से बाहर के देशों की सैन्य मौजूदगी कम करने की कोशिश भी की जाएगी। दरअसल, अमेरिका को इस इलाके में रूस और चीन की बढ़ती गतिविधियों से चिंता है। ट्रम्प कई महीनों से ग्रीनलैंड को अमेरिका के नियंत्रण में लेने की बात कहते रहे हैं। अमेरिका इस द्वीप पर अपनी सैन्य और रणनीतिक भूमिका बढ़ाना चाहता है, जबकि इससे पहले डेनमार्क ने साफ कर दिया था कि ग्रीनलैंड पर उसका अधिकार कोई समझौते का मुद्दा नहीं है। नए समझौते से दोनों देशों ने बीच का रास्ता निकाला है। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका को वहां अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की छूट मिल गई है, लेकिन ग्रीनलैंड की राजनीतिक स्थिति नहीं बदलेगी। यानी वह डेनमार्क के अधिकार में ही रहेगा। ग्रीनलैंड की सबसे बड़ी खासियत उसकी भौगोलिक स्थिति है। यह उत्तरी अमेरिका, यूरोप और आर्कटिक के बीच स्थित है। इस वजह से यहां मौजूद सैन्य ठिकानों से अमेरिका को कई अहम इलाकों पर नजर रखने में मदद मिलती है। ग्रीनलैंड में अमेरिका का 'पिटुफिक स्पेस बेस' भी है। यहां से मिसाइल हमलों की चेतावनी देने, मिसाइल सुरक्षा और अंतरिक्ष में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखने का काम किया जाता है। इस ठिकाने की मदद से अमेरिका उत्तरी अमेरिका की ओर आने वाली संभावित मिसाइलों को ट्रैक कर सकता है। साथ ही, आर्कटिक इलाके में दूसरे देशों की सैन्य गतिविधियों पर भी नजर रख सकता है।ग्रीनलैंड के पास ग्रीनलैंड-आइसलैंड-ब्रिटेन नाम का समुद्री रास्

वर्दीधारी बल दिवस पर पुलिस लाइन एवं 25वीं वाहिनी पीएसी में कराया गया स्वगणना अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनगणना-2027 के अंतर्गत संचालित स्वगणना तिथिवार कार्ययोजना के क्रम में आज वर्दीधारी बल दिवस के अवसर पर जनपद रायबरेली की पुलिस लाइन एवं 25वीं वाहिनी पीएसी में स्वगणना अभियान आयोजित किया गया। पुलिस लाइन, रायबरेली में कार्यरत समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिला जनगणना कंट्रोल रूम के प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स एवं फील्ड ट्रेनर्स द्वारा स्वगणना की प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई तथा उनकी ऑनलाइन स्वगणना कराई गई। इसी क्रम में जनपद स्थित 25वीं वाहिनी पीएसी में सेनानायक लाल भरत कुमार पाल की अध्यक्षता में स्वगणना अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला जनगणना कंट्रोल रूम के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा वाहिनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वगणना की प्रक्रिया से अवगत कराते हुए ऑनलाइन स्वगणना कराई गई। सेनानायक के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में वाहिनी के कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया।



कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस एवं पीएसी के कार्मिकों को जनगणना-2027 के महत्व, स्वगणना की उपयोगिता तथा इसकी ऑनलाइन प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्दीधारी बल के समस्त कार्मिकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनके माध्यम से आमजन को भी स्वगणना के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना तथा जनगणना-2027 के व्यापक प्रचार-प्रसार में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।



डीएम ने तहसील महराजगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं,शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण कराए अधिकारी - डीएम

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 55 शिकायतें आयी, 07 का तत्काल हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में तहसील महराजगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील महराजगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 36, पुलिस 06, विकास 02 एवं अन्य 11 कुल 55 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 07 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी महराजगंज आयुष अग्रवाल, क्षेत्राधिकारी महराजगंज प्रदीप कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, तहसीलदार महराजगंज शालिनी तिवारी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।



शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से किया जाये सुनिश्चित-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शासन की मन्शा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में नवम्बर महीने के तृतीय शनिवार को ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' का आयोजन किया गया, सम्पूर्ण समाधान दिवस घोरावल में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा द्वारा शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को सुना गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में भूमि विवाद से सम्बन्धित प्राप्त हुए, मामलों को स्थलीय स्थिति की जॉच करते हुए टीम द्वारा प्रकरणों की स्थलीय जॉच कर निस्तारण कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ताओं का फीडबैक लेते हुए शिकायतों का निस्तारण किया जाये, जिससे कि शिकायतकर्ता को किसी प्रकार की समस्या न हो और उनके प्रकरण का निस्तारण समय से किया जा सके। उन्होने के कहा कि प्रत्येक प्रकरण को गम्भीरता से लेकर जॉच कर निस्तारण आख्या प्रस्तुत की जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा ने 57 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 08 मामलें निस्तारित किये गये। इस प्रकार तहसील दिवस घोरावल में कुल 08 मामले निस्तारित हुए, बाकी 49 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। इस मौके पर उप जिलाधिकारी घोरावल श्री विशाल कुमार तहसीलदार घोरावल, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें। 02-सम्पूर्ण समाधान दिवस रार्वटसगंज में उप जिलाधिकारी आशीष त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया, इस दौरान क्षेत्रों में भी टीम भेजकर प्रकरणों का निस्तारण कराया गया और सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी दुद्धी अशोक कुमार, तहसीलदार दुद्धी आदि ने 51 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 02 मामलें निस्तारित किये गये और बाकी 49 प्रार्थना पत्रों को समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिये गये।चारों तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल शिकायतें-169 प्राप्त हुयी, जिसमें से 24 शिकायतों का निस्तारण टीम भेजकर और मौके पर किया गया।

गांव में खेल मैदान की कमी को देखते हुए पंचायत पदाधिकारियों को एक आवेदन सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले की जैसिंहनगर तहसील के ग्राम पंचायत ढोंढा में, एक युवा संगठन के सदस्यों ने गांव में खेल मैदान की कमी को देखते हुए पंचायत पदाधिकारियों को एक आवेदन सौंपा। इन युवाओं का कहना है कि गांव के बच्चों और खिलाड़ियों को खेलने के लिए सुरक्षित और उचित जगह नहीं मिलती, जिससे उनकी प्रतिभा दब कर रह जाती है। आवेदन में मांग की गई है कि पंचायत स्तर पर खाली पड़ी जमीन की पहचान कर उसे खेल मैदान के रूप में विकसित किया जाए, ताकि युवा नशे और गलत संगत से दूर रहकर खेलों में आगे बढ़ सकें। युवाओं का मानना है कि अगर गांव में मैदान उपलब्ध हो जाए, तो खेल गतिविधियों के साथ-साथ बच्चों का शारीरिक विकास भी बेहतर होगा और गांव में खेल का माहौल भी मजबूत बनेगा। पंचायत से उम्मीद जताई गई है कि इस मांग पर सकारात्मक फैसला लेकर जल्द से जल्द मैदान की व्यवस्था की जाएगी। उपस्थित रहे युवा संगठन के सदस्यः अनुराग, उपाध्याय, शिवम, सूरज,लाला, शैलेंद्र।



जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय कोरट सहित पंचायत भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने आज प्राथमिक विद्यालय कोरट का औचक निरीक्षण कर वहां की शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में उपस्थित बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई-लिखाई एवं शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। विद्यालय में बाउंड्रीवॉल का निर्माण नहीं होने पर जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि बाउंड्रीवॉल निर्माण के लिए तत्काल स्टीमेट तैयार कर प्रस्तुत किया जाए, ताकि आवश्यक कार्रवाई करते हुए निर्माण कार्य शीघ्र कराया जा सके।विद्यालय की कंप्यूटर लैब के निरीक्षण के दौरान कंप्यूटर अव्यवस्थित पाए गए तथा साफ-सफाई की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कंप्यूटर लैब की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने तथा सभी कंप्यूटरों को सुव्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने पंचायत भवन कोरट का निरीक्षण किया। उन्होंने पंचायत भवन में कार्यरत कंप्यूटर सहायक से वहां संचालित कार्यों एवं जनसुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। पंचायत भवन एवं उसमें संचालित सीएससी जनसेवा केंद्र के भवन का निरीक्षण करते हुए उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को भवन की रंगाई-पुताई एवं समुचित सुंदरीकरण कराने के निर्देश दिए, जिससे भवन स्वच्छ, आकर्षक एवं सुव्यवस्थित दिखाई दे।जिलाधिकारी ने इसके बाद समीप स्थित आंगनबाड़ी केंद्र कोरट का भी निरीक्षण किया। केंद्र में कराए जा रहे सुंदरीकरण एवं रंगाई-पुताई के कार्यों को और बेहतर तरीके से कराने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र को आकर्षक एवं स्वच्छ बनाया जाए तथा परिसर में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों को स्वच्छ एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों का प्राथमिकता के आधार पर अनुपालन सुनिश्चित करते हुए सभी आवश्यक कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं।

जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के दिए निर्देश,शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं-जिलाधिकारा

समाधान दिवस में कुल 144 प्रकरण सुनवाई के लिए आयें, 07 प्रकरणों का मौके पर किया गया निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा शनिवार को तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर जनशिकायतों को सुनते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देशित किया कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने शिकायतों का निस्तारण समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से करने के लिए निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने कहा कि जन-शिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने शिकायतकर्ता का फीडबैक लेने और शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता को संतुष्ट भी कराये जाने के लिए कहा। उन्होंने समाधान दिवस में आयें हुए वरासत, अवैध कब्जा व अन्य शिकायतों का शीघ्रता से निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रार्थनापत्रों की अलग-अलग सूची बनाकर सम्बंधित को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनसमस्याओं को सुनते हुए राजस्व, पुलिस एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरण की जमीनी स्तर पर जांच कर शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने एवं प्रार्थनापत्रों की समयबद्ध जांच, कार्रवाई एवं समस्याओं के निस्तारण में विलम्ब होने पर सम्बंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील सदर में कुल 144 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व विभाग से सम्बंधित 72, पुलिस विभाग 22, नगर निगम-30, अन्य विभागों की 20 शिकायतें थी, जिनमें से 07 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों को आज ही प्राप्त करते हुए प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा है कि शिकायतों का निस्तारण अनिवार्य रूप से निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत हो जाना चाहिए, जिससे शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। इस अवसर पर तहसीलदार सदर, सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।



जिलाधिकारी ने निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत शनिवार को आयोजित विशेष अभियान दिवस के अवसर पर बूथों का निरीक्षण कर पुनरीक्षण कार्य का लिया जायजा

कोई भी पात्र मतदाता, मतदाता बनने से छूटने न पाये-जिला निर्वाचन अधिकारी,जिला निर्वाचन अधिकारी ने 22 नवम्बर को भी आयोजित विशेष अभियान के दिन सभी बीएलओ को मतदान केन्द्र पर उपस्थित रहकर पुनरीक्षण की कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा निर्वाचक नामावलियों के चल रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत शनिवार को आयोजित विशेष अभियान दिवस के अवसर पर सेंट्रल एकेडमी झूंसी, एम0पी0 बिरला स्कूल झूंसी, जगत तारन गोल्डेन जुबली स्कूल में बनाये गये बूथों का निरीक्षण करते हुए वहां पर तैनात बीएलओ तथा बूथ पर ही नाम शामिल करने की कार्यवाही के लिए कहा है। उन्होंने सुपरवाईजर से पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बूथ पर उपस्थित बीएलओ को प्राप्त होने वाले फार्म-6, 7 एवं 8 से सम्बंधित आवेदनों को एप के माध्यम से डिजिटाइजेशन करते हुए आवेदन पत्रों पर आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं से सम्बंधित विवरण की जांच करने तथा यदि उसमें कोई कमी हो या संशोधन की आवश्यकता हो, तो सम्बंधित मतदाता से सम्पर्क कर उनसे फार्म-8 भरवाकर संशोधन की कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से छूटने न पाये। कहा कि किसी परिवार के सदस्यों का नाम यदि कई बूथों पर है, तो उस परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक बूथ पर करने के लिए सम्बंधित से फार्म भरवाते हुए उस परिवार के सभी सदस्यों का एक कहा कि नए युवा मतदाताओं एवं छूटे हुए मतदाताओं से फार्म-6 भराकर मतदाता सूची में उनका नाम दर्ज करायें, जेंडर रेशियों के तहत महिला मतदाताओं का नाम यदि मतदाता सूची में नहीं है, तो उनसे फार्म-6 भराते हुए मतदाता सूची में उनका नाम शामिल करें। उन्होंने कहा कि जहां पर किसी मतदाता के नाम, पिता का नाम, फोटो या कोई अन्य विवरण में संशोधन की आवश्यकता हो, तो सम्बंधित से फार्म-8 भरवाते हुए संशोधन से सम्बंधित नियमों का पूर्णतः पालन करते हुए संशोधन की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी बीएलओ को रजिस्टर बनाने तथा उसमें फार्म-6, 7 एवं 8 से सम्बंधित कार्यवाही को उल्लिखित करने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ, सुपरवाईजर तथा पुनरीक्षण कार्य में लगे हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी तनमयता से कार्य करने के लिए कहा। कहा कि कोई भी पात्र मतदाता, मतदाता बनने से छूटने न पाये। इस अवसर पर सम्बंधित ईआरओ तथा बीएलओ व सपुरवाईजर उपस्थित रहे।





पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं विभिन्न थानों में अधिकारियों-कर्मचारियों ने पूरी की स्वगणना की प्रक्रिया,स्वगणना अभियान के प्रति पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद रायबरेली में जनगणना-2027 के अंतर्गत स्वगणना अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रायबरेली सहित जनपद के विभिन्न थानों में स्वगणना जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम सहित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वगणना की प्रक्रिया से अवगत कराया गया तथा उनकी स्वगणना की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। इसके साथ ही विभिन्न थानों में भी पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों की स्वगणना कराई गई तथा स्वगणना के महत्व की जानकारी देते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार स्वयं अपनी स्वगणना पूर्ण करने एवं अपने परिवारजनों एवं आसपास के लोगों को भी स्वगणना के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश के विकास की आधारशिला है। जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विकास की बेहतर कार्ययोजना तैयार करने में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए इसमें प्रत्येक निवासी की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।





(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। दिनांक-21.11.2026 को पुलिस उपायुक्त यमुनानगर द्वारा थाना शंकरगढ़ का आकस्मिक निरीक्षण कर थाना कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, मेस, बंदी गृह, आवासीय भवन आदि का निरीक्षण किया गया तथा अभिलेखों के अद्यतन एवं थाना परिसर में साफ सफाई के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

खराब मौसम से फसल क्षति होने पर किसान तत्काल दर्ज कराएं सूचना - जिलाधिकारी चर्चित गौड़

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभार्थी किसान किसानों से सतर्क रहने तथा फसल क्षति होने की स्थिति में तत्काल सूचना दर्ज कराने की अपील की है। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि प्रतिकूल मौसम अथवा प्राकृतिक आपदा के कारण किसी किसान की फसल को क्षति होती है, तो वह निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संबंधित हेल्पलाइन नंबर पर समय से सूचना दर्ज कराए, जिससे फसल क्षति का सर्वेक्षण एवं नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।



हेल्पलाइन नम्बर 14447 तथा अन्य किसान जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर 1077 पर दें सूचना। जनपद में खराब मौसम, बेमौसम वर्षा, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि अथवा अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसानों की फसलों को होने वाली संभावित क्षति के दृष्टिगत जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्री चर्चित गौड़ ने जनपद के समस्त

15 दिन से जलापूर्ति ठप, साधन सहकारी समिति आमडीह के अध्यक्ष ने डीएम को सौंपा ज्ञापन,14 ग्राम पंचायतों और 45 टोलों में पेयजल संकट, शीघ्र आपूर्ति बहाल कराने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। साधन सहकारी समिति आमडीह के अध्यक्ष परमानंद सिंह पटेल ने जल जीवन मिशन (हर घर जल योजना) के तहत पिछले 15 दिनों से बाधित पेयजल आपूर्ति की समस्या को लेकर जिलाधिकारी को शिकायत पत्र सौंपा है। शिकायत पत्र में बताया गया है कि डोरिया स्थित पानी की टंकी से लगभग 14 ग्राम पंचायतों और 45 टोलों में पेयजल की आपूर्ति होती है, लेकिन पिछले 15 दिनों से जलापूर्ति पूरी तरह बंद है। इससे ग्रामीणों, बच्चों, बुजुर्गों और मवेशियों के सामने पेयजल का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। साधन सहकारी समिति आमडीह अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि समस्या की जानकारी कई बार संबंधित अधिकारियों एवं ऑपरेटर को दी गई, लेकिन अब तक जलापूर्ति बहाल नहीं कराई गई। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित विभाग को निर्देशित करते हुए जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है।















ईविंग क्रिश्चियन पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव का द्युतिय दिन- भव्य रूप से रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शनिवार को ईविंग क्रिश्चियन पब्लिक स्कूल, मुट्ठीगंज, प्रयागराज के वार्षिकोत्सव का द्युतिय दिन अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि Rt. Rev. Morris Edgar Dan, Bishop of Lucknow Diocese के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथियों, तनु जॉन (प्रधानाचार्या) मैरी लूकस स्कूल एंड कॉलेज, नम्रता लाल (प्रधानाचार्या) जमना क्रिस्चियन जूनियर हाई स्कूल, अरुण पॉल (वरिष्ठ प्रधानाध्यापक) Lucknow Diocese, स्पर्श लाल, डी. डिकोस्टा (पादरी) जमुना चर्च, अजय मसीह (पादरी) जमुना चर्च, सशी प्रकाश, (पादरी) सेंट जॉन चर्च, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, कला-कौशल एवं आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। वार्षिकोत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत से हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए निम्नलिखित आकर्षक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं-1. स्वागत गीत - अतिथियों के सम्मान एवं स्वागत में मधुर संगीतमय प्रस्तुति। 2. पंजाबी नृत्य- पंजाबी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति। 3. हिमालयन नृत्य-पारंपरिक हिमालय लोकनृत्य की आकर्षक प्रस्तुति। 4. गोआनी नृत्य-गोवा का पारंपरिक नृत्य। 5. झारखंडी नृत्य झारखण्ड का लोकप्रिय नृत्य। 6. मणिपुर नृत्य मणिपुर का पारंपरिक नृत्य। 7. राजस्थानी नृत्य राजस्थान का पारंपरिक नृत्य। 8. भारत के प्रमुख त्यौहार पर आधारिक नृत्य प्रस्तुति।सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, आत्मविश्वास एवं समर्पण के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा विद्यालय द्वारा बच्चों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय परिवार के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री संजीत लाल (Mr. Sunjeet Lall) ने मुख्य अतिथि, समस्त विशिष्ट अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मस्क को हमारे स्पेस नेटवर्क व इंटरनेट में क्यों दिलचस्पी है?

मालूम होता है कि दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति इलॉन मस्क के लिए मुनाफा ही सर्वोपरि है। वे सोशल मीडिया से प्रोपगंडा फैलाने



के साथ ही चुनावी चंदों से सरकारी नीतियों को भी बदलने में माहिर हैं। सैटेलाइट से इंटरनेट देने वाले स्टारलिंक प्रोजेक्ट का लाइसेंस हासिल करने के लिए मस्क ने मोदी और अम्बानी पर तंज कसा। भारत में रिलायंस जियो और भारती एयरटेल का ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड-लाइन इंटरनेट बाजार में 80फीसदी अधिकार है। इससे जुड़े 6 पहलुओं को समझें : 1. लॉकडाउन करोड़ों लोगों के लिए आपदा, गरीबी और बेरोजगारी का दौर था। लेकिन उसी दरमियान मस्क की सम्पत्ति 10 गुना बढ़ी। 2020 के कोविड-वर्ष में ही भारत में अंतरिक्ष सेक्टर में खुली 5अर्थव्यवस्था और निजीकरण की शुरुआत हुई। सरकार और कानून को हल्के में लेते हुए मस्क की कम्पनी ने गैरकानूनी तरीके से 2021 में लाइसेंस के बिना ही भारत में सैटेलाइट इंटरनेट शुरू करने की कोशिश की थी, जिसे उन्हें बंद करना पड़ा। लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। 2. सुप्रीम कोर्ट के 2012 के फैसले के अनुसार राष्ट्रीय सम्पदा स्पेक्ट्रम का नीलामी के आधार पर आवंटन होना चाहिए। पर 2023 के दूरसंचार कानून से सैटेलाइट इंटरनेट के लिए नीलामी के बजाय प्रशासनिक आदेश से स्पेक्ट्रम आवंटन का रास्ता साफ हो गया। लेकिन सुरक्षा क्लीयरेंस के बाद ही इन्हें फाइनल लाइसेंस मिल सकेगा। तब मस्क भेदभाव का आरोप कैसे लगा सकते हैं? 3. पृथ्वी की निचली कक्षा में संचालित होने वाली सैटेलाइट सेवाओं पर नियंत्रण बड़ा मुद्दा है। संसदीय समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे के अनुसार 2013-14 में मनमोहन सरकार ने सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं से जुड़े खतरों के बारे में आगाह किया था। पूर्व राष्ट्रपति कलाम, इसरो और सेना ने गूगल के 3-डी व्यू को सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया था। लेकिन इसे आगे चलकर केंद्र सरकार से अनुमति मिल गई। 4. क्रिप्टो, एआई, डेटा सेंटर और सैटेलाइट इंटरनेट के कारोबार को सफल बनाने के लिए मस्क ने 2022 में ट्विटर (एक्स) को खरीदा। मस्क का ग्रोक एआई प्लेटफॉर्म गैर-कानूनी तरीके से एक्स के करोड़ों यूजर्स के डेटा का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहा है। नियमों के तहत एक्स ने शिकायत निवारण अधिकारी का विवरण भी जारी नहीं किया। ऐसे में सैटेलाइट इंटरनेट वेंडर सामरिक क्षेत्र में डेटा स्थानीयकरण और अन्य नियमों के पालन की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? 5. मस्क कोई परोपकारी नहीं, उलटे विशुद्ध कारोबारी व्यक्ति हैं। भारत में घूस देना और लॉबीइंग गैर-कानूनी हैं, लेकिन मस्क डंके की चोट पर लॉबीइंग करते हैं। ट्रम्प और रिपब्लिकन पार्टी को 60 करोड़ डॉलर से ज्यादा चुनावी चंदा देने वाले मस्क ने टैक्स बचाने के लिए अपनी कम्पनी के हेडक्वार्टर को टेक्सस राज्य में शिफ्ट कर लिया था। कैपिटल गेन, विद होल्डिंग टैक्स और डिविडेंड पर टैक्स बचाने के लिए ही मस्क ने नीदरलैंड्स के टैक्स हैवन के माध्यम से भारत में निवेश की योजना बनाई है। 6. ईरान और यूक्रेन युद्ध के साथ बांग्लादेश के सीमावर्ती राज्यों में स्टारलिंक की भूमिका संदिग्ध रही है। 11 हजार दूरस्थ गांवों में इंटरनेट देने के नाम पर स्टारलिंक भारत के अंतरिक्ष और इंटरनेट नेटवर्क पर कब्जा करना चाह रही है।भारतीय उद्योगपतियों के एकाधिकार से जुड़े मस्क के आरोपों पर भारत में कानून के तहत ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। गृह और रक्षा मंत्रालय की आपत्ति और खुफिया एजेंसियों के अलर्ट को दरकिनार करके सैटेलाइट इंटरनेट को इजाजत देने से सामरिक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।11 हजार गांवों में इंटरनेट देने के नाम पर स्टारलिंक भारत के अंतरिक्ष और इंटरनेट नेटवर्क पर कब्जा करना चाह रही है। खुफिया अलर्ट को दरकिनार कर सैटेलाइट इंटरनेट को इजाजत देने से सामरिक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

हमें अपने युवाओं की क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाना होगा

क्या हमारे यहां शिक्षा का स्तर ऐसा है कि वह रोजगार की बढ़ती मांग को पूरा कर सके? इस सवाल का आकलन करना बेहद जरूरी है, क्योंकि युवाओं के आंदोलनों के पीछे मुख्यतया



बेरोजगारी का ही रोष है। पूछा जाना चाहिए कि हमारा शैक्षणिक ढांचा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और वंचित नागरिकों- दोनों की जरूरतें पूरी करने में क्यों नाकाम है? इसकी एक वजह तो शिक्षा के लिए दिया जाने वाला बजट भी है। लगभग छह दशकों से यानी 1966 के कोठारी आयोग से लेकर 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति तक हम शिक्षा पर अपनी जीडीपी का 6फीसदी खर्च करने का संकल्प दोहराते चले आ रहे हैं। इसके बावजूद शिक्षा पर व्यय 2.7फीसदी पर ही ठहरा हुआ है, जबकि केंद्र और राज्यों का संयुक्त खर्च करीब 4.1फीसदी है। इसकी तुलना में ब्राजील अपने जीडीपी का 4.9फीसदी और दक्षिण अफ्रीका 10फीसदी शिक्षा पर खर्च करता है। चीन का निवेश तो हमारे मुकाबले लगभग आठ गुना अधिक है! ऐसे में क्या आश्चर्य कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2027 में दुनिया के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में हमारा एक भी नहीं है। आईआईटी कानपुर 221वें और भारतीय विज्ञान संस्थान 254वें स्थान पर है। जबकि अकेले चीन के छह, हांगकांग के पांच और यहां तक कि सिंगापुर तक के दो विश्वविद्यालय इस सूची में हैं। अमेरिका और ब्रिटेन के 40 विश्वविद्यालयों का इस सूची में होना तो खैर अपेक्षित ही था। यह स्थिति तब है, जब पिछले दो दशकों में भारत में निजी और सरकारी उच्च शिक्षा संस्थानों की बेतरतीब बाढ़-सी आई है। आज ऐसे करीब 65,000 संस्थान पंजीकृत हैं। इसके बावजूद उच्च शिक्षा में हमारा सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) महज 30फीसदी है। यानी 18 से 23 वर्ष की आयु के पात्र भारतीयों में से हर दस में सात कॉलेज का दरवाजा तक नहीं देख पाते। जिन लोगों के पास साधन हैं, वे अपने बच्चों को विदेश भेज देते हैं, लेकिन इससे न केवल विदेशी मुद्रा के रूप में अरबों डॉलर बाहर जाते हैं, बल्कि देश अपनी युवा प्रतिभाओं से भी वंचित हो जाता है। पीछे छूट गए लाखों युवाओं के लिए उनकी डिग्री अकसर निराशा का एक लैमिनेटेड पासपोर्ट भर बनकर रह जाती है। हम औसत दर्जे के विश्वविद्यालयों से ऐसे स्नातकों की फौज तैयार कर रहे हैं, जिनके पास रोजगार पाने की योग्यता नहीं है। उनके पास पुराने पड़ चुके पाठ्यक्रमों का ज्ञान भर है। आलोचनात्मक ढंग से सोचने की क्षमता तो सर्वत्र क्षीण हुई है। यह त्रासदी ऐसे समय घट रही है, जब एआई व्हाइट-कॉलर नौकरियों में तेजी से सेंध लगा रहा है और बड़ी कंपनियां भर्तियां करने के बजाय छंटनी कर रही हैं। हमें प्राथमिक विद्यालयों में बुनियादी ढांचे की उपेक्षा की समस्या से भी निपटना होगा। शिक्षा का अधिकार के जरिये सबको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का वादा किए जाने के 15 साल बाद भी ग्रामीण भारत की हकीकत- खासकर बिहार जैसे राज्यों में- चिंतनीय बनी हुई है। 2014 में सरकार ने 'स्किल इंडिया' मिशन की शुरुआत की थी। पिछले एक दशक में आईटीआई की संख्या 9,776 से बढ़कर करीब 13,900 हो गई है। साथ ही नए कौशल केंद्र और संस्थान भी स्थापित किए गए हैं। इसके बावजूद, ये पुराने उपकरणों, अपर्याप्त प्रशिक्षण वाले प्रशिक्षकों और उद्योग की वास्तविक जरूरतों से कटे हुए होने की समस्या से जूझ रहे हैं। भारत को दुनिया के मैन्युफैक्चरिंग हब में बदलने का भी वादा किया गया था। उसके तहत इस क्षेत्र की हिस्सेदारी जीडीपी के 25फीसदी तक पहुंचनी थी, ताकि बेरोजगार और अल्प-रोजगार वाले उन लाखों युवाओं को काम मिल सके, जो कम उत्पादकता वाली कृषि में फंसे हुए हैं। लेकिन यह बदलाव अब तक हकीकत नहीं बन पाया है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की हिस्सेदारी जीडीपी के करीब 16-17फीसदी पर ठहरी हुई है और यह हमारी वर्कफोर्स के 12फीसदी लोगों को ही रोजगार देता है। देश की 41फीसदी आबादी 25 से कम उम्र की है। इस लिहाज से देश के पास डेमोग्राफिक डिविडेंड का फायदा उठाने का ऐतिहासिक अवसर है। लेकिन युवा आबादी अपने आप में कोई सम्पदा नहीं होती। यदि उन्हें शिक्षित और कुशल बनाकर काम दिया जाएगा, तो ही वे भारत को विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे ले जाएंगे। देश की 41फीसदी आबादी 25 से कम उम्र की है। हमारे पास डेमोग्राफिक डिविडेंड का फायदा उठाने का ऐतिहासिक अवसर है। लेकिन युवा आबादी अपने आप में कोई सम्पदा नहीं होती। उन्हें शिक्षित और कुशल बनाकर काम दिया जाएगा, तो ही वे भारत को विकसित बना सकेंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,पवन के. वर्मा)

अच्छी खेती का मतलब यह जानना भी है कि क्या नहीं उगाना है

हर किसान चाहता है उसकी फसल अच्छे-से बढ़े। इसलिए जब वह खाद, खासकर यूरिया डालता है तो उसे लगता है वह फसल को पोषण दे रहा है। पर अकसर एक अहम सवाल पर वह ध्यान नहीं देता-



क्या वह सिर्फ फसल को फीड कर रहा है या साथ उगी खरपतवारों को भी? खेती में यह एक बड़ी गलती हो सकती है। जब किसान जरूरत से ज्यादा खाद डालता है, तो वह फसल ही नहीं, खरपतवार को भी पोषण दे रहा होता है, जो धूप, पानी, न्यूट्रिशन, जगह के लिए फसल से मुकाबला करती हैं। दूसरे शब्दों में, वह अपनी फसल को नुकसान पहुंचाने वाले पौधे को पनपाने में पैसा खर्च कर रहा होता है। मामला तब और अहम हो जाता है, जब सरकार यूरिया सब्सिडी पर सालाना 2 लाख करोड़ रुपए खर्च रही हो। 169 जिलों में असामान्य रूप से यूरिया की ज्यादा खपत के चलते कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल (कैग) ने फर्टिलाइजर सब्सिडी सिस्टम और इसमें संभावित हेराफेरी की जांच शुरू की है। लेकिन समस्या का एक दूसरा पहलू भी है, जिस पर ध्यान देना जरूरी है। क्या किसानों को इस्तेमाल की जा रही हर किलोग्राम खाद का पूरा फायदा मिल रहा है? यूरिया प्लांट ग्रोथ के लिए जरूरी न्यूट्रिएंट नाइट्रोजन का स्रोत है। लेकिन इसी नाइट्रोजन से खरपतवार भी बढ़ती हैं। इसलिए अत्यधिक यूरिया फसल के साथ-साथ खरपतवार को भी बढ़ा सकता है। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के ईडी और एमडी अंकुर अग्रवाल के मुताबिक, कुछ इलाकों में खेतों का बड़ा हिस्सा खरपतवार से भरा रहता है। सोचिए कि यदि किसान ऐसे खेत में खाद डालता है तो जिस न्यूट्रिशन पर वह खर्चा कर रहा है, उसका एक हिस्सा तो ऐसे पौधों को मिल सकता है, जो अंततः मंडी में बिकने वाली पैदावार का हिस्सा बनेंगे ही नहीं। इसीलिए भारतीय खेती में खरपतवार प्रबंधन भी उतना ही अहम होना चाहिए, जितना कि खाद प्रबंधन। दशकों से हमारा ध्यान वाटर-इफिशियंसी पर रहा है। ड्रिप इरिगेशन और प्रिसिजन इरिगेशन ने किसानों को फसल की जरूरत के मुताबिक सिंचाई में मदद की, जिससे पानी की बर्बादी कम हुई। हमें न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट और खरपतवार नियंत्रण के लिए भी ऐसी कंपनियां हैंड वॉशिंग डे मनाकर और हैंड वॉशिंग प्रोडक्ट्स को प्रमोट करके ग्रामीण भारत में हाथ धोने की आदत डाल रही हैं, वैसे ही सरकार और एग्रोकेमिकल कंपनियों को भी डेमंस्ट्रेशन, ट्रेनिंग और एक्सटेंशन प्रोग्राम्स के जरिए किसानों तक एग्रीकल्चर नॉलेज पहुंचाना चाहिए। निजी एग्रीकल्चर कंपनियों को भी अलग फसलों, मिट्टी, खेतों के आकार के मुताबिक व्यावहारिक समाधान विकसित करने चाहिए। कृषि विश्वविद्यालयों को भी खरपतवार पहचान और प्रबंधन को कॅरिकुलम में अहमियत देनी चाहिए। छात्रों को खेतों और मंडियों में भेजना चाहिए, ताकि वे किसानों की समस्याएं समझ सकें। हमारे देश में 60फीसदी से ज्यादा मौजूद छोटी जोत के किसानों के लिए यह जानकारी खास तौर पर उपयोगी हो सकती है। वे खरपतवारों के पोषण पर पैसा खर्च करने या उनके कारण अपनी सीमित फसल का एक हिस्सा गंवाने का जोखिम नहीं उठा सकते। खरपतवारों की समय रहते पहचान करने, सही मैकेनिकल और कल्चरल मैथड्स अपनाने, क्रॉप-रोटेशन अपनाने और विवेकपूर्ण तरीके से हर्बिसाइड्स का इस्तेमाल करने से काफी फर्क पड़ सकता है। खाद भी मिट्टी की जांच और फसल की जरूरत के हिसाब से ही डालनी चाहिए, न कि इस धारणा से कि ज्यादा डालना हमेशा बेहतर होगा। इससे मिलने वाली बड़ी सीख सरल है।

किसान का काम महज फसल को पोषण देना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि खरपतवारों को पोषण न मिले। आखिरकार स्वस्थ खेत वह नहीं होता, जहां हर पौधा अच्छे-से बढ़े, बल्कि वह होता है, जहां सही पौधे को बेहतर बढ़ोतरी का मौका मिले। फंडा यह है कि फसल को फीड करते समय खरपतवार को पोषण न दें। खेती में किसे पोषण देना है, इस बात की जानकारी के साथ ही यह जानना भी उतना ही जरूरी है कि किसे पोषण नहीं देना है। एन. रघुरामन

इलेक्ट्रिसिटी; एक सर्विस या जान लेने का लाइसेंस?

दिवाली के दीये हमारे घरों-गलियों को रोशन करें, इससे पहले ही दुकानों, बाजारों और इमारतों पर लगी डेकोरेटिव लाइटें देशभर में रौनक बिखेरने लगी हैं। रंग-बिरंगी रोशनियां त्योहार से पहले ही इस 'फेस्टिवल ऑफ लाइट' के आने का ऐलान कर देती हैं। इस मैजिक का श्रेय इलेक्ट्रिसिटी को जाता है। लेकिन क्या हम इस शानदार सर्विस के इतने आदी हो गए कि यह भी भूल गए कि लापरवाही से इस्तेमाल होने पर यह कितनी खतरनाक हो सकती है? दो हालिया घटनाओं ने मुझे यह सवाल पूछने पर मजबूर कर दिया। बेंगलुरु में एक फाइव स्टार होटल के स्विमिंग पूल में संदिग्ध इलेक्ट्रिक करंट के बाद दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई, दो अन्य घायल हुए। कथित तौर पर पूल में उतरते ही एक व्यक्ति चीख पड़ा। उसे बचाने आए दूसरे व्यक्ति को भी करंट लगा। मदद को पहुंचे पूल अटेंडेंट और एक गेस्ट को भी झटके लगे। आराम देने वाली जगह अचानक मौत की जगह बन गई। एक अन्य घटना में हैदराबाद के पास धान के खेत के चारों ओर लगाई बिजली की अवैध तारबंदी की चपेट में आने से इंजीनियरिंग के दो 20 वर्षीय छात्रों की मौत हो गई। किसान ने जंगली सूअरों से फसल बचाने के लिए यह तार लगाए थे। दोनों युवक बर्थडे मना रहे एक ग्रुप में थे और कथित तौर पर पुलिस पैट्रोलिंग व्हीकल देखकर खेत में भाग गए।इन दोनों त्रासदियों की परिस्थितियां अलग हैं। लेकिन एक चीज समान थी- बिजली, या कहें कि वो तरीका, जिससे इंसान इसे यूज करने लगे हैं। 20 से 25 हजार रुपए प्रति कमरा चार्ज करने वाला और सैकड़ों मेहमानों का स्वागत करने वाला होटल अपने पूल को करंट के प्रति असुरक्षित कैसे छोड़ सकता है? ऐसी जगहों की इलेक्ट्रिकल-सेफ्टी कौन जांचता है और कितनी बार? क्या फायर-सेफ्टी इंस्पेक्शन की तरह समय-समय पर इलेक्ट्रिकल-सेफ्टी ऑडिट नहीं होनी चाहिए? दूसरी घटना ज्यादा मुश्किल सवाल खड़े करती है। कोई व्यक्ति खेत के चारों ओर बिजली का नंगा तार कैसे लगा सकता है, जबकि जानता है कि इसे टच करने पर किसी की भी जान जा सकती है? जानवरों से फसल बचाने का मतलब क्या ऐसी जानलेवा बाउंड्री बनाने का लाइसेंस मिलना है? कौन इसकी मंजूरी देता है और कौन यह सुनिश्चित करता है कि खेती के लिए दी जाने वाली बिजली का गलत इस्तेमाल न हो? हमें खुद से भी एक सवाल पूछना चाहिए। हमने अपने घरों, सड़कों, इंडस्ट्री, खेतों के लिए जंगल, चरागाह और प्राकृतिक आवास छीन लिए हैं। कभी खुले घूमने वाले जानवर भोजन की तलाश में खेतों में घुस रहे हैं। अपने सर्वाइवल के लिए उनकी जमीनें लेने के बाद क्या अब हम यह मानते हैं कि जब वे अपने पुराने आवास में लौटें तो हमें उन्हें मारने का अधिकार है? और देखिए, यह सोच हमें कहां ले जा रही है।

जंगली सूअर मारने को लगाया गया तार हमारे ही बच्चों की जान ले बैठा। त्रासदी यह है कि ये तार फसल बर्बाद करने वाले जानवर और गलती से उसे छूने वाले इंसान में फर्क नहीं कर सकते। शायद अब समय आ गया है कि हम अलग-अलग घटनाओं के परे यह देखें कि बिजली की सप्लाई और इस्तेमाल कैसे हो रहा है। क्या इसके लिए एक स्पष्ट लीगल फ्रेमवर्क नहीं होना चाहिए, जिसमें अनुमत उपयोग, अनिवार्य सेफ्टी डिवाइसेज, इंस्पेक्शन और दुरुपयोग की जवाबदेही तय हो? बिजली बोर्डों, स्थानीय निकायों, कृषि विभागों और बिल्डिंग रेगुलेटर्स को मिलकर काम करना होगा।

आजीविका जीवन बनाए रखने वाली हो, जीवन को खतरे में डालने वाली नहीं

पिछले शुक्रवार की शाम पुणे के पिंपरी सौदागर निवासी 43 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट मनोज मालपानी ने खुद को एक असामान्य और संभावित तौर पर खतरनाक स्थिति में पाया। वे मुंबई एयरपोर्ट से पुणे तक एक कैब में जा रहे थे। उन्होंने देखा कि ड्राइवर बार-



बार जम्हाई ले रहा था और जागे रहने के लिए संघर्ष कर रहा था। कम से कम दो बार तो लगा कि ड्राइवर स्टियरिंग पर ही झपकी ले रहा है। मालपानी डर गए। वे मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर थे, जहां पलभर की लापरवाही जानलेवा हो सकती है। रात करीब 8.30 बजे जब कैब एक फूड मॉल पर रुकी तो मालपानी ने ड्राइवर से इस बारे में पूछा। ड्राइवर ने माना कि लगातार ड्यूटी करने से वह थक चुका था और उसे नींद आ रही थी। मालपानी ने ड्राइवर को आराम करने के लिए कहा और खुद गाड़ी चलाने की पेशकश की।ड्राइवर तुरंत तैयार हो गया। उसने अपनी सीट पीछे की और सो गया। मालपानी ने पहले टोल प्लाजा तक गाड़ी चलाई। वहां भी ड्राइवर को उनींदा देखकर उन्होंने लगातार पुणे तक गाड़ी चलाई और रात करीब 10.30 बजे मंजिल पर पहुंचे। उन्होंने ड्राइवर को जगाकर गाड़ी सौंपी और किराया चुकाया। उन्होंने माना कि उन्हें किसी दूसरे की कैब नहीं चलानी चाहिए थी, लेकिन उन्हें जान की परवाह थी तो ऐसा किया। इसके बाद उस कैब एग्रीगेटर ने उस ड्राइवर का अपने एप तक एक्सेस खत्म कर दिया और मालपानी को किराए की रकम क्रेडिट के रूप में रिफंड कर दी। लेकिन यह घटना एप-बेस्ड ड्राइवरों की कामकाजी परिस्थितियों पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। इंडियन गिग वर्कर्स फ्रंट के अध्यक्ष केशव क्षीरसागर बताते हैं कि ड्राइवरों के काम के घंटे तय नहीं हैं और कम आय के कारण उन पर लगातार काम करने का दबाव रहता है। इस घटना ने मुझे मुंबई की मिडिल-इनकम हाउसिंग सोसायटियों के एक आम नजारे की याद दिला दी- गेट पर चौकीदार गहरी नींद में सो रहा होता है और कोई नाराज निवासी उसे जगाता है। दोनों स्थितियां अलग लग सकती हैं, लेकिन इनमें एक बात समान है। दोनों ही मामलों में ऐसे वर्कर्स हैं, जिनसे सतर्क रहने की उम्मीद की जाती है, लेकिन उनकी कमाई शायद ही इतनी होती है कि रोजमर्रा की जरूरतें पूरी कर पाएं। रेजिडेंशियल सोसायटियों में आउटसोर्सिंग एजेंसियों के जरिए नियुक्त सिक्योरिटी गार्डों को ही देखिए। इनमें से कई को 30 दिनों की शिफ्ट के बदले 10 हजार रुपए से भी कम मिलते हैं। इतनी कम कमाई में परिवार चलाना मुश्किल है, खासकर मुंबई जैसे महंगे शहर में। किराया, खाना, स्कूल फीस, दवाइयां और आने-जाने का खर्च वेतन के दिन का इंतजार नहीं करते। इसलिए कुछ गार्ड दूसरी शिफ्ट भी कर लेते हैं, ताकि महीने में करीब 20 हजार रुपए कमा सकें। वे दिन में 18 से 20 घंटे काम करने लगते हैं। ऐसे में आने-जाने, खाना खाने और ठीक से सोने के लिए बहुत कम समय बचता है। नींद की कमी से कॉन्सन्ट्रेशन, जजमेंट, रिएक्शन टाइम और इमोशनल कंट्रोल प्रभावित होते हैं। अंततः शरीर वह चीज मांगने लगता है, जिसकी इजाजत जेब नहीं देती- आराम। आराम की कमी से कोई सिक्योरिटी गार्ड कम चौकन्ना, कोई ड्राइवर कम रेस्पॉन्सिव हो सकता है और किसी डिलीवरी वर्कर के गलती करने की आशंका बढ़ सकती है। सेफ्टी-सेंसेटिव जॉब्स में तो इसके नतीजे गंभीर हो सकते हैं। लंबे समय में इसकी एक और कीमत चुकानी पड़ती है। लगातार थकान और अपर्याप्त रिकवरी शारीरिक और मानसिक सेहत खराब कर सकती है। एक्स्ट्रा शिफ्ट के जरिए की गई कमाई की कीमत सेहत से चुकानी पड़ सकती है। आगे चलकर मेडिकल बिलों का खर्च परिवार पर आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है। महीने में एक पगार पर जी रहे वर्कर के लिए किसी एक्स्ट्रा शिफ्ट का मतलब समय पर स्कूल की फीस भर पाना या परिवार का राशन खरीद पाना हो सकता है।

सेहत के लिहाज से कोई काम ठुकरा देना समझदारी भरा फैसला हो सकता है, लेकिन सर्वाइवल के लिए ऐसा करना कई बार नामुमकिन होता है। फंडा यह है कि सर्वाइवल के लिए एक वर्कर कब तक अपनी नींद की कीमत चुकाता रहेगा? देर-सबेर उसकी सेहत जवाब दे ही देगी। समाज के तौर पर जब तक हम इस हकीकत को नहीं समझेंगे और अपने वर्कर्स को एक शिफ्ट के काम से ही बुनियादी जरूरतें पूरी करने लायक वेतन नहीं देंगे, तब तक हमें ऐसी सेवाएं ही मिलती रहेंगी, जो हमारे जीवन और प्रॉपर्टी को गंभीर जोखिम में डाल सकती हैं। एन. रघुरामन

'म्यूज' को इस्तेमाल करने से पहले इस पर्सनल असिस्टेंट के बारे में समझ लें

सभी टेक्नोलॉजी कंपनियों ने एक कला में महारत हासिल कर ली है, जो उनका बिजनेस बन गई है। वे कोई चीज बनाती हैं, फिर आमजन को यकीन दिलाती हैं कि वे इसके बिना रह ही नहीं सकते। इसकी शुरुआत फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप से हुई थी, सही है ना? हममें से ज्यादातर लोग इनके बिना रह नहीं सकते, है ना? क्लास के स्टूडेंट की तरह उंगली उठाकर मत बोलिए कि 'मैं ऐसा नहीं हूं।' मैं सहमत हूं कि कुछ लोग इनके आदी नहीं हुए होंगे। इसीलिए मैंने कहा कि ज्यादातर लोग। अब इसका सबसे ताजा उदाहरण मेटा प्लेटफॉर्म का पर्सनल एआई-एजेंट 'म्यूज' है। किसी सॉफ्ट टॉय के चाबी वर्जन जैसे दिखने वाले म्यूज ने लोगों का ध्यान खींचा है। वरना 8 सितंबर 2026 को यूएस और कनाडा में लॉन्च होने के सिर्फ 22 दिनों में ही इसके 5 मिलियन से ज्यादा डाउनलोड कैसे हो गए? इस माइलस्टोन ने इसे अब तक के सबसे तेजी से बढ़ते एआई एप्स में शामिल कर दिया है, जिसने इनिशियल लॉन्च डाउनलोड स्पीड के मामले में चैटजीपीटी, ग्रोक और क्लॉड को भी पीछे छोड़ दिया। मेटा ने भारत में इसके ऑफिशियल लॉन्च की तारीख या टाइमलाइन घोषित नहीं की है।म्यूज के बारे में नहीं जानने वालों को बता दूं कि हमारे टेक्स्ट का जवाब देने वाले सामान्य चैटबॉट्स के विपरीत म्यूज एक पर्सनल एआई-एजेंट है, लेकिन 'एजेंटिक बिहेवियर' के लिए। यह मल्टी-स्टेप टास्क संभालता है, बैकग्राउंड में ऑटोमैटिकली काम करता है और हमारी ओर से डिजिटल सेवाओं के साथ बातचीत करता है। विशेषज्ञों को लगता है कि म्यूज के साथ आप जो भी जानकारी शेयर करते हैं, तकनीकी तौर पर वह मेटा के साथ शेयर हो सकती है। कंपनी कहती है कि इसका इस्तेमाल आपको विज्ञापन दिखाने के लिए नहीं किया जाएगा, लेकिन एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। यह कुछ हद तक हमारे द्वारा कॉल सेंटर में की जाने वाली कॉल्स जैसा ही है, जहां ऑटो-आंसर मशीन कहती है कि 'यह कॉल आंतरिक इस्तेमाल और ट्रेनिंग के लिए रिकॉर्ड की जा सकती है।' आप सेटिंग्स में जाकर ऑप्ट-आउट कर सकते हैं, लेकिन मेटा का कहना है कि उसके एम्प्लॉयी खास परिस्थितियों को छोड़कर अकाउंट्स को एक्सेस नहीं करेंगे। मसलन, लॉ-एन्फोर्समेंट एजेंसियों की गुजारिश पर या यूजर की ओर से रिपोर्ट की गई समस्या पर। लेकिन विशेषज्ञों का सवाल है कि अगर यूजर का डिवाइस कॉम्प्रोमाइज हो जाए या खुद इस सर्विस में ही ब्रीच हो जाए तो क्या होगा? आमतौर पर हमारे सोशल मीडिया एप्स, ईमेल, डेली-शॉपिंग लॉगिन और शॉपिंग के पैसे चुकाने में इस्तेमाल होने वाले बैंक अकाउंट, सभी के लॉगिन अलग-अलग होते हैं। प्रथमदृष्ट्या हम उम्मीद करते हैं कि वे सुरक्षित हैं, क्योंकि वे अलग-अलग हैं। लेकिन किसी एक सर्विस को इनमें से किसी एक या सभी लॉगिन तक एक्सेस देकर क्या हम कोई बड़ा जोखिम पैदा नहीं कर रहे? यह देसी ही है जैसे ऑफिस में आपका पर्सनल असिस्टेंट न सिर्फ आपका बैंक अकाउंट, बल्कि पैसे ट्रांसफर करने का पासवर्ड भी जानता हो। उस पर्सनल असिस्टेंट की वफादारी के बावजूद छोटी-सी संभावना बनी रहती है कि शायद उसका दिमाग बदल सकता है। इसी तरह म्यूज में हमारे सभी लॉगिन के लिए 'सिक्योर क्रेडेंशियल स्टोर' है। मेटा का कहना है कि इसकी मदद से एआई-एजेंट पासवर्ड देखे बिना उनका इस्तेमाल कर सकता है। लेकिन विशेषज्ञ कहते हैं कि एआई-एजेंट मुश्किलें भी पैदा कर सकते हैं।किसी ईमेल या वेबसाइट में ऐसे छिपे हुए प्रॉम्प्ट हो सकते हैं, जो बॉट्स को निर्देशों को नजरअंदाज कर निजी डेटा हैकर के अकाउंट्स पर भेजने के लिए कहें। अमेरिकन इकोनॉमिक लिबर्टीज प्रोजेक्ट के सीनियर लीगल काउंसिल ली हेन्नर कहते हैं कम से कम जब तक कोई विश्वसनीय विकल्प नहीं आता, 'मेटा के ट्रैक रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो यह भरोसा देता हो कि वे निजी जानकारी के प्रबंधक या कस्टोडियन बनेंगे।' म्यूज के शुरुआती यूजर्स निजी जानकारी के अप्रत्याशित रूप से लीक होने का जिक्र कर चुके हैं। टेक कमेंटेटर मैट रॉब ने हाल ही में बताया कि म्यूज ने उनके द्वारा बेचने के लिए पोस्ट किए गए एक आइटम की तय कीमत से कम कीमत संभावित खरीदार को बता दी और उसे उनके घर का पता भी दे दिया।

बांग्लादेश में नहीं रुकी हिंसा,हसीना समर्थकों के 50 घर जलाए

ढाका।पार्टी ने हसीना की वापसी की मांग को लेकर करीब एक हफ्ते तक प्रदर्शन और रैलियां की थीं। इसके बाद बंद बुलाया गया। बंद का सबसे ज्यादा असर दक्षिणी बांग्लादेश के उन जिलों में देखने को मिला, जहां अवामी लीग का मजबूत जनाधार है। इस दौरान कई जगह आगजनी, तोड़फोड़ और हमलों की घटनाएं सामने आईं। बीएनपी सांसदों के घरों पर हमलाः शेख हसीना के गृह जिले गोपालगंज में बीएनपी के दो सांसदों के घरों में तोड़फोड़ की गई और आग लगा दी गई। कुछ बाजारों और दुकानों को भी निशाना बनाया गया। बसों और गाड़ियों में आगः पुलिस के मुताबिक, कम से कम 6 बसों और पिकअप गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। रेलवे लाइन के एक हिस्से को भी नुकसान पहुंचाया गया। ढाका-चटगांव हाईवे पर आगजनीः गुरुवार को हाईवे पर एक बस और ट्रक में आग लगा दी गई। बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकल आए। यूनुस के घर में भी आग लगी थीः चटगांव में 18 नवंबर की रात अंतरिम सरकार प्रमुख रहे मोहम्मद यूनुस के पुश्तैनी घर में आग लगा दी गई थी। बांग्लादेश में 2024 को छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार की कमान संभाली थी। उन्होंने हसीना की पार्टी अवामी लीग पर लगे बैन लगा दिया था। अब तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री हैं। उनकी सरकार ने इस बैन को जारी रखा है। हसीना ने जुलाई 2026 में दिसंबर में बांग्लादेश लौटने और वहां की अदालत में कानूनी प्रक्रिया का सामना करने की इच्छा जताई थी। इस महीने उन्होंने दोबारा कहा कि वह हर हाल में दिसंबर में लौटेंगी। इसके बाद से देश में राजनीतिक तनाव बढ़ा है।



यूएन ने म्यांमार को रोहिंग्याओं के नरसंहार का दोषी माना,10 हजार लोगों की हत्या के 9 साल बाद आया फैसला- पीड़ितों को मुआवजे का आदेश

हेग।म्यांमार सरकार ने इसे 'क्लियरेंस ऑपरेशन' यानी इलाका खाली कराने का अभियान बताया था। हालांकि, अदालत ने म्यांमार की इस दलील को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि अगर सेना का मकसद आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करना था, तो महिलाओं के साथ सामूहिक रेप, बच्चों की हत्या, गांवों को जलाना और जान बचाकर भाग रहे आम लोगों पर हमले करने की क्या वजह थी? ऐसी घटनाओं को आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का हिस्सा नहीं माना जा सकता। म्यांमार में रोहिंग्याओं पर दशकों से जुल्मः-रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ हिंसा अचानक शुरू नहीं हुई थी। म्यांमार में उन्हें कई दशकों से भेदभाव और अत्याचार का सामना करना पड़ रहा था। धीरे-धीरे उनके नागरिक अधिकार छीन लिए गए और रोजमर्रा की जिंदगी भी मुश्किल बना दी गई। 1980 का दशकः म्यांमार ने नागरिकता से जुड़ा कानून बनाया। इसके बाद रोहिंग्या समुदाय के लोगों के लिए नागरिकता हासिल करना लगभग नामुमकिन हो गया। वे अपने ही देश में नागरिक अधिकारों से वंचित हो गए। 2000 का दशकः रोहिंग्या समुदाय पर और पाबंदियां लगा दी गईं। शादी का लाइसेंस और जन्म प्रमाणपत्र जैसे जरूरी दस्तावेज बनवाने के लिए उनसे भारी रकम मांगी जाने लगी। आने-जाने और परिवार बढ़ाने पर पाबंदीः रोहिंग्या लोगों को अपनी मर्जी से कहीं आने-जाने की इजाजत नहीं थी। महिलाओं को दो से ज्यादा बच्चे पैदा न करने की चेतावनी दी जाती थी। धार्मिक और शैक्षणिक पाबंदियांः कई मस्जिदें बंद कर दी गईं और बच्चों की पढ़ाई पर भी रोक लगाई गई। हजारों रोहिंग्या लोगों को कंटीले तारों से घिरे शिविरों में रखा गया। वे देश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह कट गए थे। 25 अगस्त 2017ः हिंसा बढ़ने के बाद रोहिंग्या लोगों का बड़े पैमाने पर पलायन शुरू हुआ। कुछ ही हफ्तों में करीब 7.5 लाख लोग अपनी जान बचाने के लिए म्यांमार छोड़कर बांग्लादेश पहुंच गए। जंगलों और कीचड़ भरे रास्तों से पलायनः कई परिवारों को कई दिनों तक जंगलों और कीचड़ भरे रास्तों से गुजरना पड़ा। रास्ते में उन्हें अपने परिवार के लोगों के शव मिले। कई लोगों को गोली मार दी गई थी। रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ हिंसा को लेकर म्यांमार के खिलाफ इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में मामला अफ्रीकी देश गाम्बिया ने दायर किया था। गाम्बिया ने 2019 में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की ओर से यह केस दर्ज कराया था। उसने आरोप लगाया था कि म्यांमार ने रोहिंग्या समुदाय का नरसंहार किया है और 1948 के अंतरराष्ट्रीय नरसंहार रोकने वाले समझौते का उल्लंघन किया है। इस मामले में मालदीव, जर्मनी और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो जैसे देशों ने भी गाम्बिया का समर्थन किया था। फैसले के बाद गाम्बिया के अटॉर्नी जनरल डावडा जालो ने इसका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उनका देश रोहिंग्या समुदाय के साथ तब तक खड़ा रहेगा, जब तक उसे न्याय नहीं मिल जाता। इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस का फैसला आने के बाद सबसे बड़ी चुनौती इसे लागू कराने की होगी। अदालत के पास अपने फैसले को खुद लागू करवाने के लिए कोई अपनी पुलिस या सैन्य बल नहीं होता है। अगर म्यांमार फैसले का पालन नहीं करता है, तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) इस मामले में कदम उठा सकती है। ऐसे में दूसरे देशों को म्यांमार पर दबाव बनाना होगा, ताकि वह अदालत के आदेश का पालन करे। हालांकि, म्यांमार में इस समय गृहयुद्ध चल रहा है। वहां सैन्य सरकार और विरोधी गुटों के बीच संघर्ष जारी है। ऐसे हालात में अंतरराष्ट्रीय दबाव कितना असरदार होगा, यह देखना अहम होगा। रोहिंग्या म्यांमार के पश्चिमी हिस्से में स्थित रखाइन प्रांत का मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय है। इनमें ज्यादातर सुन्नी मुसलमान हैं। इनकी भाषा बंगाली की चटगांव क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा से मिलती-जुलती है। इनकी बड़ी आबादी रखाइन प्रांत के मौंगडॉ, बुथिडॉन्ग और राथेडॉन्ग इलाकों में रहती थी। रोहिंग्या समुदाय का दावा है कि उनके पूर्वज सदियों से इस इलाके में रहते आए हैं। वे अपनी जड़ें कम से कम 9वीं सदी तक बताते हैं। कुछ ऐतिहासिक दस्तावेजों में 18वीं सदी के आखिर में भी इस इलाके के मुस्लिम निवासियों का जिक्र मिलता है। इस इलाके को पहले अराकान के नाम से जाना जाता था।

रोहिंग्या नाम को भी अराकान के पुराने नाम 'रोहांग' से जुड़ा माना जाता है। म्यांमार की सेना और सरकार रोहिंग्याओं को अलग जातीय समुदाय के रूप में मान्यता नहीं देती। उनका दावा है कि ये लोग ब्रिटिश शासन के दौरान और उसके बाद बंगाल से आकर बसे थे। इसी वजह से सरकार इन्हें रोहिंग्या के बजाय 'बंगाली' कहती रही है।

हालांकि, इतिहासकारों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के मुताबिक, रखाइन में मुस्लिम आबादी की मौजूदगी ब्रिटिश शासन से पहले भी थी। ब्रिटिश शासन के दौरान इस इलाके में बंगाल से लोगों का आना-जाना और बसना जरूर बढ़ा था। 2017 में हिंसा शुरू होने से पहले म्यांमार में करीब 10 से 12 लाख रोहिंग्या रहते थे। इनमें से ज्यादातर रखाइन प्रांत में रहते थे। उस समय वे इस प्रांत की आबादी का करीब एक-तिहाई हिस्सा थे।



53 बच्चों से मारपीट और बुरे बर्ताव में दोषी पाए जाने पर इंडोनेशिया की डे-केयर सेंटर की प्रिंसिपल को 5 साल जेल

जकार्ता। इंडोनेशिया के योग्याकार्ता शहर के एक डे-केयर सेंटर में 53 बच्चों के साथ मारपीट और बुरे बर्ताव के मामले में प्रिंसिपल को 5 साल जेल की सजा सुनाई गई है। लिटिल अरेशा सेंटर के कर्मचारी बच्चों के हाथ-पैर कपड़े से बांधकर रखते थे। अप्रैल में सामने आए सीसीटीवी फुटेज में बच्चे सिर्फ डायपर पहने फर्श पर पड़े दिखे थे। पुलिस के मुताबिक, सेंटर में मौजूद 103 बच्चों में से 53 के साथ बुरा बर्ताव हुआ था। सेंटर की पूर्व प्रिंसिपल अनीता पालुपी इंदाहसारी को गुरुवार, 19 नवंबर को अदालत ने दोषी ठहराया। जज सुनारयांतो ने कहा कि अनीता ने बच्चों की देखभाल में लापरवाही की, बिना अनुमति सेंटर चलाया और बच्चों पर हो रही हिंसा को नहीं रोका। अदालत ने अनीता पर 51 करोड़ इंडोनेशियाई रुपिया का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर उनकी संपत्ति जब्त कर नीलाम की जाएगी। सरकारी वकीलों ने अनीता के लिए 10 साल जेल की मांग की थी। फैसले से पीड़ित बच्चों के परिवार नाराज हैं। सुनवाई में मौजूद एक बच्चे की मां त्रि सुसिलावती ने कहा कि बच्चों के साथ जो हुआ, उसके मुकाबले यह सजा बहुत कम है। उन्होंने कहा कि सरकारी वकीलों को इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करनी चाहिए। इस मामले में सेंटर चलाने वाले लिटिल अरेशा फाउंडेशन की प्रमुख दिया कुसुमस्तुति को पहले ही 10 साल जेल की सजा मिल चुकी है। वहीं, सेंटर की 11 महिला कर्मचारियों को अक्टूबर में 2 से 3 साल तक की जेल हुई थी। सरकारी वकीलों ने इन कर्मचारियों के लिए भी 5 साल की सजा मांगी थी। इस मामले का खुलासा अप्रैल में हुआ था। सेंटर के एक पूर्व कर्मचारी ने पुलिस में शिकायत की थी कि वहां बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने छापा मारा। इसी दौरान सेंटर के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए। इनमें छोटे बच्चे सिर्फ डायपर पहने फर्श पर लेटे दिखे। उनके हाथ-पैर कपड़ों से बंधे हुए थे। पुलिस के मुताबिक, सेंटर में करीब 100 बच्चे थे। इनमें से 53 के साथ मारपीट और बुरा बर्ताव किया गया था। जांच में यह भी पता चला कि करीब 20 बच्चों को सिर्फ 3 मीटर लंबे और 3 मीटर चौड़े कमरे में एक साथ रखा जाता था।

योग्याकार्ता की पुलिस प्रमुख ईवा गुना पांडिया ने बताया था कि पूछताछ में कर्मचारियों ने बच्चों के हाथ-पैर बांधने की बात मानी थी। उनका कहना था कि बच्चे दूसरे बच्चों को परेशान न करें, इसलिए उन्हें बांधकर रखा जाता था।

कर्मचारियों ने यह भी कहा था कि सेंटर में स्टाफ की कमी थी। बच्चों को नहलाने और कपड़े पहनाने के लिए पर्याप्त लोग नहीं थे।

मामला सामने आने के बाद सेंटर को बंद कर दिया गया था। लिटिल अरेशा सेंटर में बच्चों के साथ हुए बर्ताव ने पूरे देश में डे-केयर सेंटरों की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। इसके बाद अधिकारियों ने ऐसे केंद्रों की जांच शुरू की। अधिकारियों के मुताबिक, इंडोनेशिया में कई डे-केयर सेंटर बिना जरूरी लाइसेंस के चल रहे हैं।



अमेरिका में पति ने पत्नी और बच्चों की हत्या करके खुद को मारी गोली, बच्चा गिड़गिड़ाकर कहता रहा- 'डैडी मुझे मत मारो'

फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा में गुरुवार को एक व्यक्ति ने अपने ही परिवार को खत्म कर दिया। उसने पहले अपने तीन छोटे बच्चों को गोली मारी, फिर पत्नी की हत्या कर दी और आखिर में खुद को भी गोली मार ली। इस दौरान घर से आई 911 कॉल (इमरजेंसी कॉल) पर एक बच्चे की आवाज सुनाई दी। वह बार-बार कह रहा था पापा, मुझे गोली मत मारो...पापा, मुझे मत मारो। मारे गए बच्चों की उम्र 1, 3 और 5 साल थी। हिल्सबरो काउंटी के शेरिफ चाड क्रोनिस्टर ने बताया कि गुरुवार दोपहर पुलिस को परिवार के घर से 911 कॉल मिली थी। कॉल पर कोई बोल नहीं रहा था, लेकिन फोन खुला था। इस दौरान डिस्पैचर ने एक आदमी की आवाज सुनी, जो कह रहा था- 'सॉरी बड़ी।' इसके तुरंत बाद गोली चलने जैसी तेज आवाज आई। शेरिफ के मुताबिक, कुछ देर बाद फोन पर एक छोटा बच्चा जान बचाने के लिए गिड़गिड़ाता सुनाई दिया। पुलिस पहुंची, लेकिन तब तक पूरा परिवार खत्म हो चुका थाः-शेरिफ ने बताया 911 कॉल मिलने के करीब 10 मिनट बाद पुलिस घर पहुंची। घर के अंदर एक बच्चा बेसुध पड़ा दिखाई दिया। पुलिसकर्मियों ने सामने का दरवाजा तोड़ दिया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। शेरिफ ने बताया कि परिवार करीब एक साल से प्लांट सिटी के इस घर में रह रहा था। इस दौरान उनके घर से पुलिस को कभी कोई शिकायत या मदद के लिए कॉल नहीं मिली थी। न ही पति और पत्नी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड था। शेरिफ ने कहा कि यह समझ पाना मुश्किल है कि कोई ऐसा कैसे कर सकता है।

घटना से पुलिसकर्मी और 911 कॉल सुनने वाला डिस्पैचर भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्हें कुछ समय की छुट्टी दी गई है और मानसिक मदद भी उपलब्ध कराई जा रही है।



केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी के 'कम्प्रोमाइज्ड पीएम' वाले तंज पर 4 सवाल पूछे-1962 युद्ध पर कांग्रेस माफी मांगे-रिजिजू

नयी दिल्ली। अमेरिका में राहुल गांधी के 'कम्प्रोमाइज्ड पीएम' वाले तंज पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने नाराजगी जताई है। उन्होंने राहुल गांधी से 4 सवाल पूछे हैं। रिजिजू ने 1962 के भारत-चीन युद्ध, गरीबी और भारत की पुरानी आर्थिक स्थिति को लेकर कांग्रेस से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि राहुल भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह बात राहुल के शुक्रवार को दिए उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने एपीएसी समिट के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की एक फोटो शेयर कर मोदी पर निशाना साधा। इसमें लिखा था, 'अगर कांग्रेस सत्ता में होती, तो भारत के प्रधानमंत्री इस टेबल पर बैठे होते। एक कम्प्रोमाइज्ड पीएम कभी इस टेबल पर नहीं बैठ सकता।'राहुल के बयान पर बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष ने भी कांग्रेस शासन के दौरान भारत की यूएनएससी और दूसरे बड़े वैश्विक मंचों पर गैरमौजूदगी पर सवाल किया। संतोष ने कहा, '1947 से 1977, 1980 से 1989, 1991 से 1996 और 2004 से 2014 तक उनकी पार्टी सत्ता में थी। कई बार उसके पास भारी बहुमत भी था। यूएनएससी सहित किस बड़े मंच पर भारत बैठा था।' राहुल ने एक्स पर लिखा था कि आपने नोटबंदी-जीएसटी ने छोटे व्यापारियों को बर्बाद कर दिया। जो बड़ी कंपनियां ईमानदारी से प्रतिस्पर्धा करती थीं, उनके लिए तो आपने मैदान ही खत्म कर दिया। मोनोपॉली से नौकरियां पैदा नहीं होतीं। इससे कीमतें बढ़ती हैं और प्रतिस्पर्धा खत्म हो जाती है। राहुल ने यह बयान पीएम मोदी के एफआईसीसीआई के कार्यक्रम में दिए गए बयान पर आया। इसमें कहा गया कि सरकार ने कॉर्पोरेट टैक्स 30फीसदी से घटाकर 22फीसदी किया और 12 लाख रुपए तक की सालाना कमाई टैक्स फ्री कर दी। लेकिन, क्या कंपनियों ने कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाई? क्या कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई? राहुल ने ये भी लिखा, 'मोदी जी, लूट तो आपने और आपके दोस्तों ने की है। देश ने इसे देखा है और पेट भी नहीं भर सकते। बहुत खूब। पूरा देश जानता है कि यह भूख किसकी है। हवाई अड्डे, बंदरगाह, खदानें, जंगल, बिजली, कोयला, सड़कें- सब कुछ उन्हें सौंप दिया गया। उन्होंने कितनी नौकरियां पैदा कीं? आपकी नीतियों ने किसी को भी तारीफ के काबिल नहीं छोड़ा- न उद्योगपतियों को, न छोटे व्यापारियों को, न महंगाई से जूझ रहे गरीब और मध्यम वर्ग को, और न ही बेरोजगार युवाओं को।

अब जो भी समर्थक आपके पास बचे हैं, उन्हीं से अपनी तारीफ करवा लीजिए और उनसे थालियां बजवा लीजिए।' कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के महासचिव और चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने राहुल के आरोपों को राजनीतिक दिखावा बताया। उन्होंने कहा कि ये बयान देश के व्यापारिक समुदाय और अर्थव्यवस्था में उसके योगदान की संतुलित समझ को नहीं दर्शाते।



भाजपा बोली- राहुल गांधी देश की इमेज खराब कर रहे, राहुल ने भारत को ग्लोबल पॉलिटिक्स में साइड प्लेयर बताया था

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। भाजपा ने राहुल गांधी के भारत को ग्लोबल पॉलिटिक्स में साइड प्लेयर बताने की आलोचना की। पार्टी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल को पाकिस्तानी फैन बॉय बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि वे विदेश जाकर भारत की छवि खराब कर रहे हैं। दरअसल, राहुल गांधी ने बुधवार को अमेरिका की शिकागो यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि भारत जैसे बड़े देश को वैश्विक मामलों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, लेकिन मौजूदा समय में भारत अंतरराष्ट्रीय बातचीत में केवल दर्शक बनकर रह गया है। उन्होंने कहा कि हैरानी है कि पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे विवाद में बातचीत कराने में भूमिका निभा रहा है, जबकि भारत इस पूरे मामले में साइड प्लेयर है। अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा- 'हमारे निर्दोष लोगों की हत्या होती रहे और हम पाकिस्तान के साथ बात करें, यह असंभव है। जब यह रुक जाएगा, तभी बातचीत की कोई संभावना बन सकती है।' दरअसल, शिकागो यूनिवर्सिटी में एक पाकिस्तानी छात्र ने राहुल से पूछा था कि क्या भारत और पाकिस्तान आपसी मतभेद भुलाकर मिलकर काम कर सकते हैं?

इसके जवाब में राहुल ने कहा कि पाकिस्तान का आतंकवाद को समर्थन देना बातचीत में सबसे बड़ी रुकावट है। राहुल ने दावा किया कि 2024 का लोकसभा चुनाव वैध नहीं था। उन्होंने कहा कि चुनाव में कई फर्जी मतदाता थे। एक ब्राजीलियाई महिला के नाम से विधानसभा चुनाव में 23 बार वोट डाले गए, जबकि वह कभी भारत आई ही नहीं।

जब राहुल से पूछा गया कि चुनाव में गड़बड़ी के आरोपों के बावजूद विपक्ष चुनावों का बायकॉट क्यों नहीं करता? इस पर उन्होंने कहा, 'चुनाव का बहिष्कार करने से भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। कांग्रेस ऐसा नहीं चाहती।' राहुल के बयान पर बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को राहुल को विदेश भेजने पर पैसा खर्च करने के बजाय उनका एआई मॉडल भेजना चाहिए। राहुल बार-बार एक ही बातें दोहराते हैं। एआई मॉडल उनसे बेहतर काम कर सकता है।



योगी ने भाई के साथ मां को मुखाग्नि दी,पैर छूकर दी विदाई, लिखा- अंतिम प्रणाम मां..

लखनऊ/देहरादून। योगी की मां सावित्री देवी शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गईं। सीएम ने अपने सबसे छोटे भाई महेंद्र मोहन बिष्ट के साथ मां को मुखाग्नि दी। हरिद्वार के चंडी घाट पर योगी ने मां की चिता सजाई। पैर छूकर विदाई दी। योगी अंतिम यात्रा के दौरान रो पड़े। घर से मां की अर्थी को कंधा देकर एंबुलेंस तक पहुंचाया। बार-बार रुमाल से आंसू पोछते रहे। योगी मां के पार्थिव शरीर के साथ ही पौड़ी के पैतृक गांव पंचूर से हरिद्वार पहुंचे। उत्तराखड़ के सीएम पुष्कर सिंह धामी, यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केशव मौर्य, मंत्री संजय निषाद समेत 50 से ज्यादा वीआईपी घाट पर मौजूद रहे। बाबा रामदेव और चिदानंद समेत 13 अखाड़ों के आचार्य और महंतों ने मंत्र पढ़े। योगी ने मां के अंतिम संस्कार की तस्वीरें 'एक्स' पर पोस्ट की। लिखा- अंतिम प्रणाम मां...। उन्होंने महाभारत का श्लोक भी लिखा, जिसका अर्थ है- 'मां जैसी कोई छाया नहीं। कोई आश्रय नहीं। कोई प्रेम नहीं। कोई सुरक्षा नहीं। कोई जीवनदाता नहीं।' योगी शाम को लखनऊ आ जाएंगे। यहां पीएम मोदी के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। योगी की मां ने शुक्रवार सुबह 10:45 बजे घर पर अंतिम सांस ली। वे 91 साल की थीं। योगी रात भर मां के पार्थिव शरीर के पास बैठे रहे। उन्होंने अन्न-जल ग्रहण नहीं किया। उत्तराखंड के राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने यूपी के सीएम योगी की मां के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सावित्री देवी की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना है। उन्होंने परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।



पीएम मोदी ने नीतीश सेतु का उद्घाटन किया, गमछा लहराया और बोला- जिस बिहार में घोटालों की गिनती होती थी, वहां अब निवेश के आंकड़े आते हैं

हाजीपुर/पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के वैशाली में गंगा नदी पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का उद्घाटन किया। ब्रिज का नाम बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार के नाम पर 'नीतीश सेतु' रखा गया है। पीएम मोदी ने उद्घाटन से पहले पूर्व सीएम नीतीश कुमार को गले लगाया। उद्घाटन के बाद पुल पर टहलते हुए गमछा लहराया। पीएम मोदी ने कहा- एनडीए की सरकार से पहले बिहार में घोटालों की गिनती होती थी। अब यहां निवेश के आंकड़े गिने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने अपने 16 मिनट के भाषण में कहा- गंगा मैया पर बने इस पुल का नाम नीतीश जी के सम्मान में रखा गया है। ये उनकी सेवा समर्पण के सम्मान का प्रतीक है। करीब तीन दशक पहले बिहार ने उम्मीद, विश्वास की नई राह चुनी थी। जिस बिहार को दशकों तक बदहाली झेलनी पड़ी, उसे नीतीश जी के नेतृत्व में सुशासन का भरोसा मिला। हमने गरीबों को उन्हें घर दिया, इलाज दिया, बिजली पानी पहुंचाकर करोड़ों गरीबों को सम्मानपूर्वक जीवन दिया। इसके कारण गरीब के अंदर आत्मविश्वास जगा। गरीबी के खिलाफ अभियान में बिहार का बड़ा योगदान है। डबल इंजन सरकार ने मेहनत से काम किया। योजनाओं को घर तक पहुंचाया गया। बिहार में 43 लाख लोगों को पक्के मकान दिए गए।पीएम ने कहा- साफ नीयत से काम होता है तो नतीजे दिखते हैं। जिस देश में कांग्रेस गरीबी हटाओ के नारे लगाती रही। वहां 12 साल के भीतर 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। यह सरकार की इच्छाशक्ति का परिणाम है। देश गरीबी के खिलाफ लड़ाई इसलिए जीत रहा है, क्योंकि वे हमारी प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर 21 विभागों की 227 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इन योजनाओं की लागत 34,470 करोड़ से ज्यादा है। पीएम ने कहा- हमने गरीबों को उन्हें घर दिया, इलाज दिया, बिजली पानी पहुंचाकर करोड़ों गरीबों को सम्मानपूर्वक जीवन दिया।

इसके कारण गरीब के अंदर आत्मविश्वास जगा। गरीबी के खिलाफ अभियान में बिहार का बड़ा योगदान है। डबल इंजन सरकार ने मेहनत से काम किया। योजनाओं को घर तक पहुंचाया गया। बिहार में 43 लाख लोगों को पक्के मकान दिए गए। बिहार के 75 लाख किसानों में हजारों करोड़ रुपए पीएम किसान सम्मान निधि के भेजे गए। हम हमें न रुकना है, न थकना है, एनडीए के सभी दलों को मिलकर समर्थ और आत्मनिर्भर भारत के लिए साथ काम करना है।



भारत में होगी जापानी मिसाइल की टेस्टिंग,1000 किमी रेंज वाली मिसाइल के टेस्ट के लिए जापान के पास नहीं जगह

टोक्यो। भारत और जापान के बीच सहयोग सिर्फ मिसाइल प्रशिक्षण में ही नहीं होने जा रहा है। इसके अलावा दोनों देश रक्षा तकनीक और सैन्य उत्पादन के क्षेत्र में भी साथ आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही दोनों देश यूनिकॉर्न स्टील्थ नेवल मास्ट सिस्टम के प्रोजेक्ट्स को जल्द से जल्द अंतिम रूप देना चाहते हैं। 'डिजाइन विथ जापान, मेक इन इंडिया' के तहत फरवरी 2027 तक भारत की ओर से जरूरी अनुमति जल्द मिलने की उम्मीद है। दरअसल यूनिकॉर्न एक ऐसा खास एंटीना सिस्टम है, जिसमें युद्धपोत पर अलग-अलग जगह लगे कई एंटीना और संचार उपकरणों को एक ही ऊंचे ढांचे (मास्ट) में लगाया जाता है। इसे जापान ने विकसित किया है और भारत भी इसे अपनी नौसेना के युद्धपोतों में लगाने के लिए जापान के साथ मिलकर डेवलप करने जा रहा है। भारत को क्या फायदा होगा? भारतीय युद्धपोतों दुश्मनों के रडार में आने से बचेंगे। दुश्मन के लिए जहाजों को पहचानना और ट्रैक करना मुश्किल होगा। संचार और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर क्षमता बेहतर होगी।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क में शुक्रवार परेड की सलामी लेकर किया गया निरीक्षण

अनुशासन एवं एकरूपता बनाए रखने हेतु पुलिस कर्मियों से टोलीवार ड्रिल एवं दौड़ कराई गई तथा शस्त्रों के संबंध में प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया गया, यू0पी0-112 एवं विभिन्न थानों से आए वाहनों व उपकरणों की सघन चेकिंग कर दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश,पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्द पर सलामी गार्द द्वारा दी गई सलामी का अभिवादन स्वीकार कर गार्द रजिस्टर की गई पेशी,परिवहन शाखा, क्वार्टर गार्द, स्टोर, मेस, गैस गोदाम, बैरक एवं पुलिस लाइन परिसर का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन चुर्क में आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार



परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस कर्मियों की शारीरिक दक्षता, अनुशासन एवं कार्यकुशलता को बनाए रखने तथा पुलिस बल में एकरूपता एवं टीम भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से टोलीवार ड्रिल एवं दौड़ कराई गई। शस्त्रों के संबंध में प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया गया। पुलिस कर्मियों को सदैव फिट, अनुशासित एवं कर्तव्यनिष्ठ रहते हुए जनसेवा तथा कानून-व्यवस्था के दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया। इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा यू0पी0-112 एवं जनपद के विभिन्न थानों से आए वाहनों की सघन चेकिंग की गई। वाहनों की तकनीकी स्थिति, साफ-सफाई एवं रख-रखाव के साथ-साथ दंगा नियंत्रण उपकरण, वायरलेस सेट, प्राथमिक उपचार किट, अग्निशमन यंत्र एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता का परीक्षण किया गया। वाहन चालकों एवं संबंधित पुलिस कर्मियों को वाहनों एवं उपकरणों का नियमित रख-रखाव सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी पुलिस रिस्पांस के लिए सदैव तैयार रहने के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्द पर तैनात सलामी गार्द द्वारा दी गई सलामी का अभिवादन स्वीकार किया गया तथा गार्द रजिस्टर की पेशी की गई। परिवहन शाखा के निरीक्षण के दौरान वाहनों के अभिलेख, रख-रखाव, फिटनेस एवं उपलब्ध संसाधनों की स्थिति का जायजा लिया गया तथा वाहनों को सदैव दुरुस्त एवं क्रियाशील रखने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा क्वार्टर गार्द, 'स्टोर का गहनता से निरीक्षण किया गया', मेस, गैस गोदाम, बैरक एवं पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण किया गया।इस दौरान साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन श्री ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी सदर/यातायात श्री सुधीर कुमार सिंह उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन की समस्त व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त एवं उच्च स्तर पर बनाए रखने तथा पुलिस कर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

थाना बभनी पर नियुक्त आरक्षी विजय पाण्डेय द्वारा एआई का उपयोग कर गुमशुदा महिला की बचपन की फोटो से वर्तमान तस्वीर तैयार कर राजस्थान से सकुशल बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई

आरक्षी विजय पाण्डेय को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं रु2,100/- नकद पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। थाना बभनी पर दिनांक 14.07.2026 को वादिनी किस्मत देवी पत्नी रामपाल खरवार निवासी जौराही थाना बभनी



जनपद सोनभद्र द्वारा अपनी पुत्री मंजू देवी खरवार, उम्र करीब 30 वर्ष के गुम हो जाने के संबंध में मु0अ0सं0-150/2026 धारा 87, 137(2) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कराया गया था। वादिनी के अनुसार प्रतिवादी मंजू देवी गोंड़ पत्नी राजेन्दर गोंड़ निवासी जौराही, थाना बभनी द्वारा शादी कराने की बात कहकर उनकी पुत्री को वाराणसी ले जाया गया था, जिसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पा रहा था। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में गुमशुदा महिला की सकुशल बरामदगी हेतु दिए गए सख्त निर्देशों के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन श्री ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री विनय प्रभाकर साहनी के कुशल पर्यवेक्षण में थाना बभनी पुलिस द्वारा गुमशुदा महिला की तलाश एवं पहचान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इस दौरान परिजनों एवं ससुराल पक्ष से फोटो प्राप्त करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई फोटो उपलब्ध नहीं हो सकी। विवेचना के दौरान संबंधित विद्यालय में जानकारी करने पर छात्रवृत्ति फार्म में वर्ष 2007 में कक्षा 04 में अध्ययन के समय की गुमशुदा महिला की बचपन की फोटो प्राप्त हुई। उक्त फोटो के आधार पर वर्तमान उम्र करीब 30 वर्ष में महिला की पहचान करना चुनौतीपूर्ण था। इसी क्रम में थाना बभनी पर नियुक्त आरक्षी विजय पाण्डेय द्वारा गुमशुदा महिला की बचपन की फोटो एवं उसके माता-पिता तथा बहन की फोटो का उपयोग करते हुए चैट जीपीटी एवं गूगल जैमिनी एआई प्लेटफॉर्म की सहायता से महिला की वर्तमान उम्र के अनुरूप संभावित तस्वीर तैयार की गई। एआई से तैयार तस्वीर को परिजनों को दिखाया गया, जिसे उनके द्वारा अपनी पुत्री मंजू देवी के रूप में पहचान कर प्रमाणित किया गया। इसके उपरांत एआई से तैयार तस्वीर एवं विवेचना के दौरान प्राप्त अन्य जानकारियों के आधार पर आरक्षी विजय पाण्डेय द्वारा राजस्थान के चूरू जनपद के थाना हमीरवास क्षेत्रान्तर्गत ग्राम गोविन्द सिंह का बास पहुंचकर गुमशुदा महिला मंजू देवी को सकुशल बरामद किया गया। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि महिला वहां अपने पति उमेन्द्र के साथ विवाहित जीवन व्यतीत कर रही है तथा उसके दो बच्चे भी हैं।इस प्रकार आरक्षी विजय पाण्डेय द्वारा आधुनिक एआई तकनीक का अभिनव एवं प्रभावी उपयोग करते हुए गुमशुदा महिला की पहचान एवं सकुशल बरामदगी में सराहनीय योगदान दिया गया। उनके इस उत्कृष्ट कार्य की प्रशंसा करते हुए आज दिनांक 20.11.2026 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा आरक्षी विजय पाण्डेय को प्रशस्ति पत्र एवं रु2,100/- नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विधानसभा निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत ईवीएम एवं वीवीपैट जागरूकता अभियान तेज; जिलाधिकारी ने स्वयं मतदान कर परखी प्रक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद सोनभद्र में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) एवं वीवीपैट (वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं ईवीएम के माध्यम से डमी मतदान कर पूरी प्रक्रिया का अनुभव किया तथा वीवीपैट के जरिए अपने मत की पुष्टि भी की। इस जागरूकता कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री वागीश कुमार शुक्ला तथा मुख्य चिकित्साधिकारी रमेश मिश्रा ने भी डेमो मतदान कर पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली। आम नागरिकों को मतदान प्रक्रिया से भली-भांति अवगत कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। इसके तहत कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी के जनसुनवाई हॉल में ईवीएम एवं वीवीपैट जागरूकता मशीन लगाई गई हैं। इसके अतिरिक्त जनपद की सभी तहसीलों में भी ये जागरूकता मशीनें स्थापित की गई हैं, जहां कोई भी आम नागरिक जाकर स्वयं मतदान करने और वीवीपैट पर्ची के माध्यम से अपने मत की पुष्टि करने की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकता है। जिलाधिकारी ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना और किसी भी प्रकार की भ्रांति को दूर करना है, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बनी रहे। उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक कलेक्ट्रेट या अपने संबंधित तहसील परिसर में जाकर इस सुविधा का लाभ उठाएं, जागरूक मतदाता बनें और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

सोनभद्र - निशुल्क/स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। इंडियन रेड क्रॉस समिति शाखा सोनभद्र द्वारा दिनांक 20 नवंबर 2026 को यातायात माह



में सर्किट हाउस के पास स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें निशुल्क नेत्र परीक्षण / स्वास्थ्य शिविर का कैंप लगाकर सभी लोगों को नेत्र परीक्षण किया गया तथा यातायात माह नवंबर 2026 के लिए लोगों को यातायात नियम के बारे में बताया गया कि वाहन चलाते समय नशा का प्रयोग ना करें, चार पहिया वाहन बिना सीट बेल्ट के कदापि चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल या वॉकमैन का प्रयोग कदापि न करें, दो पहिया पर तीन सवारी का उपयोग न करें, दुर्घटना के तीन कारण नशा, नींद, तेज रफ्तार होता है। हेलमेट बहुत जरूरी है ना समझो तो बहुत बड़ी मजबूरी है इसलिए सभी लोग हेलमेट का प्रयोग करें। जीवन अमूल्य अपने एवं दूसरों के जीवन की रक्षा करें। इस अवसर पर डिप्टी सी एम ओ एस वेद जायसवाल, नेत्र रोग विशेषज्ञ शैलेन्द्र शील, एडिशनल एस. पी.ऋषभ रुनवाल , इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा सोनभद्र सदस्य विनय कुमार श्रीवास्तव, नेत्र परीक्षण पीयूष सत्यम,व्योम केश, सी.ओ. सुधीर सिंह,यातायात प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र कुमार सिंह, यातायात सहायक प्रभारी भरत कुमार राय, हेड कांस्टेबल यातायात बृजेश कुमार यादव, हेड कांस्टेबल यातायात सरदार सिंह यादव,सी टी पी शिवा जी राव,पी र डी विमलेश विमलेश कुमार उपस्थित रहे।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2026 के तहत 21, 22, 28 एवं 29 नवम्बर को विशेष अभियान दिवसों का होगा आयोजन

मतदाता सूची में छूटे हुए युवा एवं महिला मतदाताओं के नाम जोड़ने पर रहेगा विशेष जोर, प्रातः 10 बजे से अपराह्न 4 बजे तक बूथों पर उपस्थित रहेंगे बीएलओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनभद्र श्री चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वर्तमान में संचालित विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि में चार विशेष अभियान तिथियां निर्धारित की गई हैं। इसके तहत दिनांक 21 नवम्बर 2026 (शनिवार), 22 नवम्बर 2026 (रविवार), 28 नवम्बर 2026 (शनिवार) एवं 29 नवम्बर 2026 (रविवार) को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि उक्त विशेष अभियान दिवसों पर समस्त बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने निर्धारित मतदेय स्थलों पर एकीकृत निर्वाचक नामावली एवं पर्याप्त संख्या में फार्म-6 के साथ पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक उपस्थित रहेंगे। इस दौरान विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत छूटे हुए मतदाताओं तथा युवा एवं महिला मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किए जाने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त सम्मानित नागरिकों से अपील की है कि उक्त विशेष अभियान तिथियों में अपने निर्धारित मतदेय स्थलों पर पहुंचकर मतदाता सूची का निरीक्षण अवश्य करें तथा आवश्यकतानुसार निर्धारित प्रारूपों में अपना आवेदन जमा करें। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नया नाम सम्मिलित कराने हेतु फार्म-6, प्रवासी निर्वाचक द्वारा निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने हेतु फार्म-6क, मतदाता सूची से नाम अपमार्जित कराने हेतु फार्म-7 तथा निर्वाचक नामावली में निवास स्थानांतरण, प्रविष्टियों में सुधार, बिना सुधार वेद ई0पी0आई0सी0 प्रतिस्थापन एवं दिव्यांगजन के रूप में चिन्हांकन हेतु फार्म-8 भरकर जमा किया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि विशेष अभियान दिवसों का लाभ उठाते हुए मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें तथा जिन पात्र नागरिकों का नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं है, वे निर्धारित फार्म भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा कराना सुनिश्चित करें, जिससे कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है


नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स



बाल झड़ने के 10 बड़े कारण, डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें बालों को कैसे हेल्दी रखें, कैसे केयर करें, डाइट में क्या खाएं

नयी दिल्ली। बाल हमारे व्यक्तित्व का अहम हिस्सा हैं। घने, मजबूत और चमकदार बाल न सिर्फ आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि अच्छी सेहत की भी निशानी होते हैं। अचानक बालों का झड़ना चिंता का विषय है। अक्सर लोग इसका दोष मौसम, पानी या शैंपू को देते हैं। जबकि कई बार समस्या की जड़ शरीर में होती है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, अचानक और ज्यादा बाल झड़ना अक्सर 'टेलोजन एफ्लुवियम' नाम की हेल्थ कंडीशन से जुड़ा होता है। इसमें हीट स्टाइलिंग केमिकल ट्रीटमेंट बोडिंग, कलर) टाइट हेयरस्टाइल- जेनेटिक कारण परिवार में गंजेपन की हिस्ट्री, मौसम- मौसम बदलने पर टेम्परेरी हेयर शेडिंग। सवाल- हेयर फॉल के कारण को कैसे पहचानें? जवाब- इसका सबसे सही तरीका है पैटर्न, टाइमिंग और साथ में दिख रहे लक्षणों को जोड़कर देखना। इसे पॉइंटर्स से समझिए- 1) स्ट्रेस/इमोशनल शॉक-अगर 2-3 महीने पहले किसी इमोशनल शॉक से गुजरे हैं। अब अचानक हेयर फॉल बढ़ा है। यह अक्सर 'टेलोजन एफ्लुवियम' होता है। इसमें मुट्ठी भर फॉल को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। हेयरफॉल रोकने के लिए क्या करें-न्यूट्रिशिय खाना खाएं। पर्याप्त पानी पिएं। स्कैल्प को साफ रखें। हफ्ते में 2 बार शैंपू करें। माइल्ड शैंपू यूज करें। डैंड्रफ न होने दें। रेगुलर ऑयलिंग/ मसाज करें। स्ट्रेस कंट्रोल में रखें। टाइट पोनीटेल/जूड़ा न बनाएं। स्ट्रेटनर, कर्लर कम यूज करें। केमिकल ट्रीटमेंट न कराएं। गीले बालों में कंघी न करें। वाइड-टूथ कंघी यूज करें। अचानक क्रैश डाइटिंग न करें। सवाल- कब तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए? जवाब- इन कंडीशंस में उगने लगते हैं। मौसम बदलने पर बालों का नेचुरल साइकिल डिस्टर्ब हो सकता है। इससे एक साथ ज्यादा बाल गिरने लगते हैं। यह आमतौर पर कुछ हफ्तों में सामान्य हो जाता है, लेकिन लंबे समय तक ज्यादा बाल झड़ते रहना चिंता का संकेत है। सवाल- कैसे पहचानें कि स्कैल्प हेल्दी है या नहीं? जवाब- बालों की अच्छी सेहत की जड़ हेल्दी स्कैल्प है। स्कैल्प हेल्दी है या नहीं क्या आपका स्कैल्प हेल्दी है? हेल्दी स्कैल्प के संकेतः- स्कैल्प साफ हो। स्कैल्प ड्राय, रूखा न हो। डैंड्रफ, गंदगी, 'चिपचिपाहट न हो। खुजली या जलन न हो।प्राकृतिक नमी हो। बाल जड़ों से मजबूत हों। ब्लड सर्कुलेशन-हेयर ग्रोथ सामान्य हो। अनहेल्दी स्कैल्प के संकेतः- डैंड्रफ, फ्लेक्स, गंदगी दिखे। स्कैल्प पर सफेद परत हो। स्कैल्प पर चिपचिपापन हो। स्कैल्प पर मैल जमा हो। लगातार खुजली या जलन हो। स्कैल्प में रेडनेस बाल आसानी से टूटें झड़ें। स्कैल्प बहुत ऑयली/ड्राय हो या इरिटेशन हो। जड़ें कमजोर या पतली दिखें। मसाज करने पर दर्द हो। , कभी-कभी बाल झड़ना सिर्फ हेयर प्रॉब्लम नहीं, बल्कि किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। थायरॉइड एनीमिया (आयरन की कमी) हार्मोनल असंतुलन ऑटोइम्यून बीमारी, स्कैल्प इंफेक्शन, फंगल इंफेक्शन, सोरायसिस, टायफॉइड, डेंगू, मलेरिया बी12 न्यूट्रिशन डेफिशिएंसी। बालों को डैमेज करने वाली आदतें- जेनेरिक केयर, रोज शैंपू लगाना। बालों को टाइट बांधना। हार्श शैम्पू यूज करना। गीले बालों को रगड़ना। गीले बालों में कंघी करना। 12 हेयर ट्रीटमेंट- हेयर कलर, बार-बार हीट स्टाइलिंग स्ट्रेटनर, कर्लर, ड्रायर ओवरयूज। ज्यादा केमिकल ट्रीटमेंट। स्मूदनिंग, रीबॉन्डिंग। बार-बार हेयर कलरिंग। रेगुलर ऑयलिंग न करना। लाइफस्टाइल- जंकफूड ज्यादा खाना। शुगरी फूड ज्यादा खाना। ज्यादा स्ट्रेस लेना। नींद पूरी न होना। प्रोटीन- अंडा, दालें, पनीर, दही, सोया, आयरन- पालक, चुकंदर, गुड़, खजूर, अनार, 3 ओमेगा-3 फैटी एसिड अखरोट, अलसी के बीज, फैटी फिश, बायोटिन, 5 बी- विटामिन्सः-नट्स, बीज, साबुत अनाज- केला, जिंक और 7 सेलेनियम कद्दू के बीज, तिल, नट्स, विटामिन सी- आंवला, संतरा, अमरूद, नींबू, विटामिन डीः-





स्ट्रेस, पोषक तत्वों की कमी या हार्मोनल बदलाव के कारण बड़ी संख्या में बाल समय से पहले झड़ने लगते हैं। हालांकि अच्छी बात यह है ज्यादातर मामलों में सही कारण का पता लगाकर और लाइफस्टाइल में कुछ जरूरी बदलाव करके इस समस्या को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हेयर फॉल की समस्या को विस्तार से समझेंगे। साथ ही जानेंगे कि- अचानक बाल झड़ने के पीछे क्या कारण हो सकते हैं? हेयर फॉल कम करने के लिए कैसी डाइट लेनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. भावुक धीर, कंसल्टेंट- डर्मेटोलॉजी, पीएसआरआई हॉस्पिटल, नई दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- अगर अचानक बहुत ज्यादा बाल झड़ने लगें तो इसके पीछे क्या संभावित कारण हो सकते हैं? जवाब- इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। हेयर ट्रीटमेंट, बार-बार कलरिंग या हीट स्टाइलिंग से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। वहीं महिलाओं में प्रेग्नेंसी के बाद कुछ समय तक बाल ज्यादा झड़ते हैं। इन कारणों से झड़ सकते हैं बालः- स्ट्रेस-अचानक कोई तनाव इमोशनल शॉक,न्यूट्रिशन- अनियमित, अनहेल्दी खानपान आयरन, प्रोटीन की कमी विटामिन बी12, डी की कमी, हार्मोनल बदलाव- थायरॉइड पीसीओएस/ पीसीओडी पोस्ट-प्रेग्नेंसी, बीमारी/ इंफेक्शन- डेंगू, कोविड, टाइफाइड स्कैल्प फंगल इंफेक्शन, दवाइयों के साइड इफेक्ट- एंटी-डिप्रेसेंट, बीपी, थायरॉइड की दवाएं कीमोथेरेपी दवाएं स्कैल्प प्रॉब्लम डैंड्रफ (रूसी) सोरायसिस स्कैल्प में सूजन/खुजली, हेयर ट्रीटमेंट- बाल गिरते हैं, लेकिन स्कैल्प पर पैच नहीं बनते। 2) न्यूट्रिशन की कमी- बाल पतले, बेजान और आसानी से टूटने लगें। साथ में थकान, चक्कर या कमजोरी हो। यह आयरन, प्रोटीन, विटामिन बी12/डी की कमी का संकेत हो सकता है। 3) हार्मोनल बदलाव (थायरॉइड/पीएमओएस) हेयर फॉल के साथ वजन में बदलाव, अनियमित पीरियड्स, मुंहासे या चेहरे पर अनचाहे बाल आएं। ये हार्मोनल इश्यू जैसे पीएमओएस (पॉलीएंडोक्राइन मेटाबॉलिक ओवेरियन सिंड्रोम) या थायरॉइड डर्मेटोलॉजिस्ट से कंसल्ट करना जरूरी है-स्कैल्प में तेज खुजली, रेडनेस, दर्द हो। डेली मुट्ठी भर बाल निकलें। कुछ हफ्तों में ही बालों की डेंसिटी काफी कम हो जाए। स्कैल्प पर पैच दिखें। अचानक वजन घटने लगे। डैंड्रफ के साथ इन्फेक्शन दिखे। सवाल- नॉर्मल हेयर फॉल कितना होता है? जवाब- डेली 50-100 बाल झड़ना सामान्य माना जाता है। दरअसल, हमारे बाल ग्रोथ के अलग-अलग फेज (एनाजेन, कैटाजेन , और टेलोजेन) में रहते हैं। हर समय लगभग 10फीसदी बाल 'टेलोजन फेज' (शेडिंग फेज) में होते हैं। सवाल- हेयर फॉल और हेयर लॉस में क्या फर्क है? जवाब- इसका अंतर बालों के हेयर ग्रोथ साइकिल और फॉलिकल के पैटर्न से समझा जाता है, जैसेकि- हेयर फॉल, यह नॉर्मल और टेम्परेरी होता है। डेली लगभग 50-100 बाल गिरते हैं। बाल गिरने के बाद नए बाल वापस उग आते हैं। यह मौसम में बदलाव, स्ट्रेस, अनहेल्दी डाइट या हार्मोनल इंबैलेंस की वजह से होता है। बालों की डेंसिटी पर ज्यादा असर नहीं पड़ता। हेयर लॉस-यह लॉन्ग-टर्म या प्रोग्रेसिव समस्या है। बाल गिरने के साथ-साथ नए बाल ठीक से नहीं उगते। बाल धीरे-धीरे पतले होते हैं और स्कैल्प दिखने लगता है। जेनेटिक्स (जैसे एंड्रोजेनेटिक एलोपेशिया), थायरॉइड, न्यूट्रिशन की कमी, ऑटोइम्यून डिजीज की वजह से होता है। इसमें हेयरलाइन पीछे जाना या पैच में गंजापन दिख सकता है। सवाल- क्या मौसम बदलने पर भी बाल झड़ते हैं? जवाब- हां, इसे 'सीजनल हेयर फॉल' कहते हैं। मौसम में बदलाव बालों की ग्रोथ साइकिल को प्रभावित करता है। यह आमतौर पर 2-6 हफ्तों में अपने-आप ठीक हो जाता है और नए बाल का संकेत है। 4) बीमारी/इन्फेक्शन के बाद-डेंगू, कोविड, टाइफाइड जैसी बीमारी के 1-2 महीने बाद अचानक ज्यादा बाल झड़ें। यह भी 'टेलोजन एफ्लुवियम' का क्लासिक पैटर्न है। 5) दवाइयों के साइड इफेक्ट-अगर नई दवा शुरू करने के बाद हेयर फॉल बढ़े तो टाइमिंग देखें। अक्सर दवा शुरू होने के कुछ हफ्तों में असर दिखता है। 6) स्कैल्प प्रॉब्लम- खुजली, रेडनेस, फ्लेक्स (रूसी), दर्द या पपड़ी दिखे। यह डैंड्रफ, फंगल इन्फेक्शन जैसी समस्या का संकेत है। 7) हेयर ट्रीटमेंट/हेयरस्टाइल- अगर टाइट पोनीटेल, हीट या केमिकल ट्रीटमेंट के बाद हेयरलाइन पतली हो रही है। यह ट्रैक्शन (खिंचाव) हेयर लॉस का संकेत है।8) जेनेटिक कारण- धीरे-धीरे हेयरलाइन पीछे जाए और पार्टिंग चौड़ी हो। यह पैटर्न अगर परिवार में भी है तो 'एंड्रोजेनेटिक एलोपेशिया' का संकेत है।9) मौसम बदलना- अगर कुछ हफ्तों के लिए ही हेयर फॉल बढ़े और फिर खुद ठीक हो जाए तो यह सीजनल शेडिंग है। सवाल- हेयरफॉल को रोकने के लिए क्या करें? जवाब- सही हेयर केयर और हेल्दी लाइफस्टाइल से हेयर थ्रूप, फोर्टिफाइड दूध, अंडा। हेयर फॉल से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब- सवाल- क्या रोज बाल धोना सही है? जवाब- आमतौर पर 2-3 दिन में एक बार बाल धोना बैलेंस्ड माना जाता है। सवाल- क्या बार-बार शैम्पू बदलने से बाल झड़ सकते हैं? जवाब- हां, इससे स्कैल्प का बैलेंस बिगड़ सकता है। सवाल- क्या हार्ड वाटर से बाल ज्यादा झड़ते हैं? जवाब- हां, हार्ड वाटर में कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल ज्यादा होते हैं। ये बालों पर जमा होकर उन्हें रूखा, बेजान और कमजोर बना देते हैं। सवाल- क्या हेयर ग्रोथ के लिए ऑयलिंग जरूरी है? जवाब- बालों की ग्रोथ जड़ों से होती है, जो ब्लड सर्कुलेशन, हार्मोन और न्यूट्रिशन पर निर्भर होती है। सिर्फ तेल लगाने से नए बाल नहीं उगते।हालांकि ऑयलिंग से बाल हेल्दी होते हैं। सवाल- क्या हेयर कट कराने से बाल गिरना कम होता है? जवाब- नहीं, बालों की ग्रोथ और फॉल दोनों हेयर फॉलिकल्स से कंट्रोल होता है, बालों की लंबाई से नहीं।

हालांकि ट्रिमिंग से दोमुंहे बाल हट जाते हैं।

वैभव सूर्यवंशी 26 रन बनाकर आउट,तिलक वर्मा की हाफ सेंचुरी,राइजिंग स्टार्स एशिया कप में नेपाल के खिलाफ भारत-ए का स्कोर- 137/3

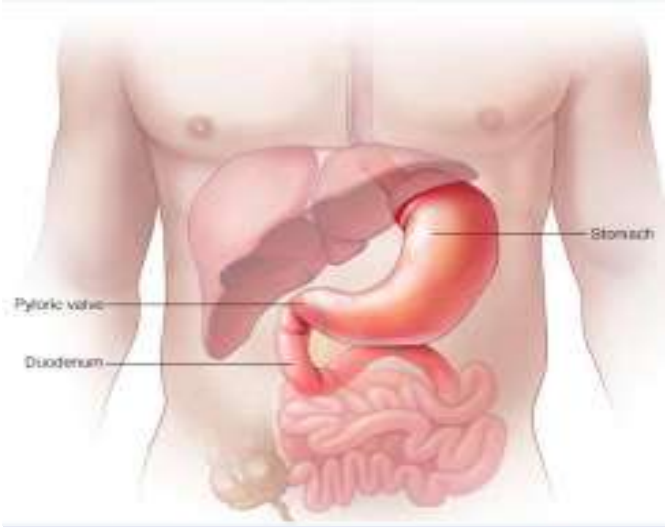
स्पोर्ट डेस्क। राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत ए का मुकाबला नेपाल से हो रहा है। दोहा में टॉस जीतकर नेपाल ने गेंदबाजी चुनी है। भारत ने 33 ओवर में बाद 3 विकेट पर 147 रन बनाए हैं। कप्तान तिलक वर्मा फिफ्टी और कुमार कुशाग्र हाफ सेंचुरी लगाकर खेल रहे हैं। इससे पहले वैभव सूर्यवंशी 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं अभिषेक शर्मा 9 और आयुष बडोनी 2 रन बना सके। इंडिया एः-अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा (कप्तान) आयुष बडोनी, रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर) शाहबाज अहमद, सूर्याश शेडगे, विप्रज निगम, हर्षित राणा, प्रिंस यादव। नेपालः-अर्जुन कुमाल, कुशल भुर्तेल, बशीर अहमद, लोकेश बम, दीपक डुमरे (विकेटकीपर) ललित राजवंशी, नंदन यादव, पवन सर्राफ, राशिद खान, संदीप लामिछाने (कप्तान) प्रतीश जीसी। 32वें ओवरर की आखिरी गेंद पर कुशाग्र ने सिंगल लिया। इसके साथ ही दोनों के बीच शतकीय साझेदारी पूरी हुई। दोनों ने 130 गेंद पर 100 रन जोड़ लिए हैं। 32वें ओवर में तिलक वर्मा और कुमार कुशाग्र ने अर्धशतक पूरे किए। प्रतीस के ओवर की पहली गेंद पर तिलक ने डीप बैकवर्ड स्क्वेयर लेग के ऊपर छक्का लगाया। फिर अगली गेंद पर सिंगल लेकर अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद कुशाग्र ने पांचवीं गेंद पर मिडविकेट की ओर चौका जड़कर फिफ्टी पूरी की। पवन सर्राफ के 29वें ओवर में कुमार कुशाग्र ने छक्का जड़ा। चौथी गेंद फुल लेंथ पर उनके स्लॉट में आई। कुशाग्र ने स्लॉग स्वीप खेलते हुए गेंद को डीप मिडविकेट के ऊपर से बाउंड्री पार पहुंचा दिया। यह उनकी पारी का पहला छक्का था। भारतीय पारी में अब तक 3 छक्के लगे हैं। इससे पहले सूर्यवंशी और अभिषेक ने सिक्स लगाया था। संदीप लामिछाने के 25वें ओवर में भारत ने 100 पूरे किए। इस ओवर में 3 सिंगल आए। ओवर की पांचवीं गेंद पर तिलक ने ऑन साइड में हल्के हाथों से खेलकर सिंगल लेकर टीम को 100 रन तक पहुंचाया। ललित राजबंशी के 22वें ओवर की चौथी गेंद पर कुमार कुशाग्र ने चौका लगाया। उन्होंने आगे बढ़कर कवर के बाहर ड्राइव खेला। गेंद स्वीपर कवर के फील्डर से दूर बाउंड्री पार चली गई। यह



बाउंड्री 61 गेंद के बाद लगी है। इससे पहले 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर कुशाग्र ने ही चौका लगाया था। कुशल भुर्तेल के 19वें ओवर में 3 रन बने। कुशल की पहली गेंद पर तिलक वर्मा ने कवर की ओर शॉट खेला, लेकिन रन नहीं बना। इसके बाद की 2 गेंद तिलक ने डॉट खेली। इसके बाद आखिरी गेंद पर 1 रन बना। भारत ए ने 16वें ओवर में 6 रन बनाए। ललित राजबंशी के ओवर में तिलक वर्मा और कुमार कुशाग्र ने 6 सिंगल लिए। नेपाल के स्पिनर्स पिच का फायदा उठा रहे हैं। गेंद बल्ले पर रुककर आ रही है, जिससे भारतीय बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने में परेशानी हो रही है। नेपाल के स्पिनर्स ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। 13वें ओवर में संदीप लामिछाने ने 4 रन दिए, जबकि 14वें ओवर में राशिद खान के ओवर से 3 रन आए। वैभव सूर्यवंशी 26 रन बनाकर आउट हो गए। पवन सर्राफ ने 11वें ओवर की तीसरी गेंद पर उन्हें बोल्ड किया। वैभव मिडिल स्टंप पर आती गेंद पर सामने की तरफ बड़ा शॉट खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद पिच पर रुककर घूम गई और बल्ले को छकाते हुए मिडिल स्टंप पर जा लगी। तिलक वर्मा को पारी के 10वें ओवर की पहली गेंद पर जीवनदान मिला। नंदन यादव की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर तिलक ने ऑफ साइड में कट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हवा में चली गई। लोकेश ने दोनों हाथों से कैच लेने की कोशिश की, मगर गेंद हाथों से छिटक गई। नेपाल ने भारत ए को दूसरा झटका दिया। ललित राजबंशी ने सातवें ओवर की आखिरी गेंद पर आयुष बडोनी को स्टंप आउट कराया। आयुष आगे निकलकर एक्स्ट्रा कवर के ऊपर शॉट खेलने की कोशिश में गेंद की टर्न से चूक गए और विकेटकीपर दीपक डुमरे ने उन्हें स्टंप कर दिया। बडोनी 7 गेंदों में 2 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक शर्मा 9 रन बनाकर आउट हो गए। नंदन यादव ने पांचवें ओवर की पहली गेंद पर उन्हें पवेलियन भेजा। अभिषेक बड़ा शॉट खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद पिच पर रुककर आई और बल्ले के निचले हिस्से से लगकर हवा में उछल गई। मिडऑफ पर पीछे की ओर दौड़ते हुए सब्स्टीट्यूट फील्डर अभिषेक गौतम ने शानदार कैच पकड़ा। अभिषेक शर्मा ने नंदन यादव के ओवर की पहली गेंद पर फाइन लेग के ऊपर से छक्का लगाया। ओवर में 8 रन बने। वैभव सूर्यवंशी ने पवन सर्राफ के तीसरे ओवर में पॉइंट के ऊपर से शॉट खेलकर 2 रन लिए। इसके बाद ओवर की तीसरी गेंद पर पॉइंट के गैप से चौका लगाया। ओवर में कुल 7 रन बने। नेपाल की ओर से पवन सर्राफ ने पहला ओवर किया। वैभव सूर्यवंशी ने ओवर की पहली गेंद पर कवर की तरफ शॉट खेला, लेकिन फील्डर की मिसफील्ड के कारण 2 रन मिले। पिच रिपोर्ट में बताया गया कि पिच पर घास की हल्की परत है और दरारें भी नहीं हैं। कुछ जगह पिच सूखी जरूर है, लेकिन पहले से ज्यादा सख्त है। इससे गेंद का बाउंस बराबर रहने की उम्मीद है। इस मैदान पर 225-230 रन का स्कोर अच्छा माना जाएगा। भारत ए के कप्तान तिलक वर्मा ने कहा कि वे पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे और टीम को वही मिला। पिच अच्छी दिख रही है और टीम पहले मैच में बड़ा स्कोर खड़ा करना चाहती है। तिलक ने कहा कि टीम का लक्ष्य हर मैच पर ध्यान देना और टूर्नामेंट जीतना है। नेपाल ने भारत ए के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारत ए की ओर से वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा पर नजरें रहेंगी। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 2 ग्रुप में बांटा गया है। इनमें 5 टेस्ट खेलने वाले देश अपनी ए टीम के साथ उतरे हैं, जबकि 3 टीमें एसोसिएट देशों की हैं। नेपाल ने इस साल टी-20 वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन कर अपनी क्षमता दिखाई थी। हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग और क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। वे इस टूर्नामेंट में अपनी फिटनेस साबित करने और गेंदबाजी में लय हासिल करने उतरेंगे। प्रिंस यादव भी चोट से वापसी कर रहे हैं। दोनों तेज गेंदबाजों के लिए यह टूर्नामेंट अपनी लय और आत्मविश्वास हासिल करने का मौका है।

खाने के बाद घंटों पचता नहीं है खाना,हो सकता है गैस्ट्रोपेरेसिस,जानें लक्षण/इलाज व बचाव के 10 टिप्स

मुंबई। आपने दोपहर के खाने में दो रोटी खाई थी। शाम होने को आई, लेकिन अभी तक पेट भरा हुआ है। भूख लगने का नाम आगे छोटी आंत तक भेजने में सामान्य से ज्यादा समय लगाता है। इसे एक आसान उदाहरण से समझने की कोशिश करते हैं। मान या उसके आसपास की कुछ सर्जरी के दौरान पेट की गति को नियंत्रित करने वाली नसों पर असर पड़ सकता है। इससे गैस्ट्रोपेरेसिस हो



ही नहीं ले रही। पेट भी फूला-फूला लग रहा है। कई बार खाने के कुछ घंटे बाद भी ऐसा लगता है, जैसे पेट ने खाना पचाने का प्रोसेस शुरू ही नहीं किया। आपको लग सकता है कि शायद ये गैस या अपच की समस्या है। लेकिन अगर यह परेशानी बार-बार हो, भूख कम लगे, खाने का मन कम हो और वजन भी घटने लगे, तो सवाल उठता है कि आखिर पेट के भीतर चल क्या रहा है? यह स्थिति 'गैस्ट्रोपेरेसिस' हो सकती है। इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में गैस्ट्रोपेरेसिस के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- यह समस्या क्यों होती है? इसका इलाज क्या है और इससे बचने के लिए क्या करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. दत्तात्रेय सोलंखे, कंसल्टेंट, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- गैस्ट्रोपेरेसिस क्या होता है? एकदम आसान भाषा में समझाइए। जवाब- गैस्ट्रोपेरेसिस में पेट खाना पचाने के लिए उसे लीजिए- आपने दोपहर में दाल, रोटी और सब्जी खाई। खाना खाने के बाद पेट का काम है कि वह खाने को धीरे-धीरे मथकर छोटे हिस्सों में तोड़े और फिर छोटी आंत में भेजे। छोटी आंत में आगे पाचन और पोषक तत्वों को शरीर में पहुंचाने का काम होता है। इसके लिए पेट की मांसपेशियां सिकुड़ती और फैलती हैं। पेट की नसें इन मांसपेशियों को सही समय पर काम करने का संकेत देती हैं। गैस्ट्रोपेरेसिस में यह प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है। यानी पेट खाने को आगे भेजने में देर करता है। खाना पेट में सामान्य से ज्यादा समय तक रुका रहता है। आसान शब्दों में इसे 'पेट के धीरे खाली होने की समस्या' कह सकते हैं। सवाल- गैस्ट्रोपेरेसिस क्यों होता है? जवाब- इसके कई कारण हो सकते हैं- 1. डायबिटीज-लंबे समय तक ब्लड शुगर बढ़ा रहने से पेट की मांसपेशियों को नियंत्रित करने वाली नसों को नुकसान पहुंच सकता है। इससे खाने को आगे भेजने का पेट का काम धीमा पड़ जाता है। 2. पेट की सर्जरी-पेट सकता है। 3. दूसरी बीमारियां- पार्किंसन डिजीज और कुछ अन्य न्यूरोलॉजिकल कंडीशंस पेट की गति को प्रभावित कर सकती हैं। हाइपोथायरॉइडिज्म (थायरॉइड ग्लैंड से जुड़ी कंडीशन) भी पेट के धीरे खाली होने से जुड़ा हो सकता है। 4. कुछ दवाएं-पेन किलर और कुछ दूसरी दवाएं पेट के खाली होने की गति धीमी कर सकती हैं। 5. कई बार कारण पता नहीं चलता- कुछ लोगों में जांच के बाद भी गैस्ट्रोपेरेसिस का स्पष्ट कारण सामने नहीं आता। इसे इडियोपैथिक गैस्ट्रोपेरेसिस कहते हैं। गैस्ट्रोपेरेसिस के मुख्य कारणः- 1. डायबिटीज- हाई शुगर से नसों को नुकसान। 2. पेट की सर्जरी- सर्जरी से पेट की गति धीमी। 3. दूसरी बीमारियां पेट की नसों पर असर। 4. अज्ञात कारण बिना किसी वजह के हो सकता है। 5. कुछ दवाएं पाचन की गति धीमी। सवाल- गैस्ट्रोपेरेसिस होने पर कौन-से लक्षण दिखाई देते हैं? जवाब- गैस्ट्रोपेरेसिस होने पर पेट से जुड़ी कई परेशानियां हो सकती हैं।

भारत से फाइनल खेले बिना पाकिस्तान को ट्रॉफी दी,भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीम अवॉर्ड सेरेमनी में नहीं गई

स्पोर्ट डेस्क। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट का विवाद अब ब्लाइंड क्रिकेट तक पहुंच गया है। बांग्लादेश के ढाका में खेले जाने वाले मेंस एशिया कप फॉर द ब्लाइंड का फाइनल बारिश के कारण नहीं हो सका। इसके बावजूद पाकिस्तान को टूर्नामेंट का विजेता घोषित कर दिया गया। इसके विरोध में भारतीय टीम ने ट्रॉफी सेरेमनी का बहिष्कार किया। भारतीय टीम का कहना है कि जब फाइनल मुकाबला खेला ही नहीं गया, तो पाकिस्तान को अकेले विजेता घोषित करना गलत है। टीम ने इस फैसले पर नाराजगी जताई है।

टीम का आरोप है कि वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट (डब्लूबीबीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल के प्रमुख सुल्तान शाह ने डब्लूबीबीसी की टेक्निकल कमेटी के संयुक्त विजेता घोषित करने के फैसले को पलट दिया। इसके बाद मैच रेफरी को भी यही फैसला सुनाने के लिए मजबूर होना पड़ा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के महासचिव शैलेंद्र ने कहा कि जब तक यह विवाद नहीं सुलझता, भारतीय टीम आगे पाकिस्तान के साथ कोई मैच नहीं खेलेगी। भारतीय टीम ने इस फैसले को खेल भावना के खिलाफ बताया है।

टीम का विरोध सिर्फ ट्रॉफी को लेकर नहीं, बल्कि फाइनल खेले बिना एक टीम को विजेता घोषित करने के तरीके को लेकर भी है।

भारत और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को फाइनल खेला जाना था। लेकिन बारिश ने मैच शुरू ही नहीं होने दिया। ऐसे में मैदान पर मुकाबले से विजेता तय करने का मौका नहीं मिला।

टूर्नामेंट के नियमों और लीग स्टेज के प्रदर्शन के आधार पर पाकिस्तान को विजेता घोषित किया गया। पाकिस्तान लीग मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर रहा था। भारत दूसरे स्थान पर था। पाकिस्तान के पास 6 अंक थे, जबकि भारत ने 4 अंक हासिल किए थे। इसी आधार पर पाकिस्तान को खिताब दिया गया।

बेटा अपने खिलौने किसी को नहीं देता:क्या 5 साल की उम्र में ये नॉर्मल है या हमारी गलती है, उसे शेयरिंग कैसे सिखाएं

मुंबई। सवाल- मैं 33 साल की हूं। मेरा 5 साल का बेटा दोस्तों के साथ खेलते समय अपने खिलौने शेयर नहीं करता। अगर कोई बच्चा उसका खिलौना लेने की कोशिश करे तो वह तुरंत गुस्सा हो जाता है और कहता है, 'ये मेरा है।' हम उसे समझाते हैं कि दोस्तों के साथ खिलौने शेयर करने चाहिए, लेकिन वह मानता नहीं है।



पेरेंट्स अक्सर मान लेते हैं कि बच्चे को अपनी हर चीज दूसरों के साथ शेयर करनी चाहिए। लेकिन हेल्दी सोशल बिहेवियर का मतलब यह नहीं है कि बच्चे को हर बार अपनी चीज छोड़ देनी चाहिए। उसे यह भी सीखना है कि किसी की चीज लेने से पहले अनुमति मांगनी चाहिए। इसलिए अगर दूसरा बच्चा उसके हाथ से खिलौना छीन रहा है तो पेरेंट्स केवल अपने बच्चे को ''शेयर करो'' न कहें। दूसरे बच्चे को भी समझाएं- ''पहले पूछो, फिर खिलौना लो।'' इससे बच्चा सीखता है कि दूसरों की सीमाओं का सम्मान करना भी उतना ही जरूरी है, जितना अपनी चीज आइसक्रीम शेयर करें। बच्चे को धीरे-धीरे अडॉप्ट करने दें। उसकी कोशिश की तारीफ करें। उसे जज न करें न दूसरों से तुलना करें। बच्चे को गुस्सा आए तो क्या करें? जब बच्चा गुस्से में हो तो उस समय लंबा भाषण देना काम नहीं करता। पहले उसकी भावना को समझें और कहें- 'तुम नाराज हो, क्योंकि तुम्हारा खिलौना किसी ने ले लिया।' फिर बताएं- 'गुस्से में खिलौना छीनना या किसी को मारना गलत है।' बच्चे को शांत होने का थोड़ा समय दें। बाद में उसे बताएं कि अगली बार वह ऐसी स्थिति में क्या करे। उसे बताएं कि ऐसे समय में ये बातें बोल सकते हैं, जैसेकि- 'पहले मेरी बारी है', 'तुम पांच मिनट बाद लेना' या 'मुझसे पूछकर लो।' अगर कोई सामान या खिलौना छीनने पर बच्चा गुस्सा हो तो कुछ बातों का ख्याल रखें- बच्चा गुस्सा हो तो क्या करें? अच्छे व्यवहार की तारीफ करें। पहले खुद शांत रहें। बच्चे को समय दें। गलत व्यवहार रोकें। उसकी फीलिंग समझें। शांत होने पर बात करें। मिलकर समाधान खोजें। सही तरीका बताएं। गुस्से की वजह पूछें। तुलना से आती नफरत- तुलना बच्चे में नफरत और प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकती है, जैसेकि- 'देखो, बाकी बच्चे कितने अच्छे हैं।' 'तुम्हारी बहन तो शेयर करती है।' 'तुम्हारा दोस्त कितना समझदार है।' इसके बजाय बच्चे के अच्छे व्यवहार की तारीफ करें। अगर बच्चे ने पांच मिनट बाद खिलौना दूसरे बच्चे को दिया तो कहें- 'तुमने अपनी बारी पूरी होने के बाद खिलौना दिया। तुमने इंतजार करना सीखा।' यानी बच्चे को अच्छा या बुरा कहने की बजाय उसके खास व्यवहार को पहचानें। 5 साल के बच्चे अपनी चीजों को लेकर थोड़े पजेसिव होते हैं। लेकिन बच्चे पर दबाव डालकर या उसे डांटकर अपनी चीजें साझा करना नहीं सिखा सकते। इसके लिए आपको खुद रोल मॉडल बनना होगा। धैर्य रखिए, बच्चा धीरे-धीरे सीखेगा। घर के माहौल का भी पड़ता असर- अगर घर में बच्चे की हर डिमांड तुरंत पूरी होती है या उसे कभी इंतजार करना नहीं पड़ता तो उसे अपनी इच्छा रोकना कठिन लग सकता है। दूसरी तरफ, अगर घर में उसकी चीजें बार-बार बिना पूछे इस्तेमाल की जाती हैं तो वह उन्हें लेकर ज्यादा पजेसिव हो सकता है। बच्चे इस उम्र में उपदेश से ज्यादा देखकर सीखते हैं। इसलिए पहले पेरेंट्स खुद रोल मॉडल बनें। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- पेरेंट्स खुद रोल मॉडल कैसे बनें? पहले सही काम खुद करें। अपनी चीजें शेयर करें। बोलकर नहीं, अपने एक्शन से। बच्चे के सामने उदाहरण रखें। लेकिन उसकी परमिशन लें। बच्चे के सामने शांत प्यार और धैर्य से पेश आएं। बच्चे की चीजें भी लें। यूज करके सुरक्षित लौटाएं। अंतिम बात- अभी आपका बेटा 5 साल का है। आपका एक्सेस बच्चे को हर चीज शेयर करवाना नहीं, बल्कि उसे साझा करना, बारी का इंतजार करना, अपनी सीमा बताना, दूसरे की सीमा समझना और गुस्से को संभालना सिखाना है। पांच साल की उम्र में ये स्किल्स अभी विकसित हो रही होती हैं। इसलिए धैर्य, नियमित अभ्यास और माता-पिता का सही उदाहरण डांट से ज्यादा प्रभावी रहेगा।





परिवार के लोग इसे उसकी जिद और स्वार्थी व्यवहार मानते हैं। क्या 5 साल की उम्र में बच्चों का चीजें शेयर न करना सामान्य है? हम बिना डांटे शेयर करना कैसे सिखाएं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- रिद्धि दोषी पटेल, चाइल्ड एंड पेरेंटिंग साइकोलॉजिस्ट, मुंबई जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। सबसे पहले समझना जरूरी है कि यह अपने आप में स्वार्थी व्यवहार नहीं है। दरअसल, इस उम्र में बच्चा अपनी पसंद, अपनी चीजों और अपनी सीमाओं को लेकर काफी स्पष्ट होता है। वह यह समझने लगता है कि 'यह मेरा है,' लेकिन वह अभी कई चीजें सीख रहा होता है, जो सोशल-परिस्थिति के अनुसार अपनी इच्छा को रोकना। दूसरे की जरूरत समझना। बारी का इंतजार करना। ऐसे में जब बच्चा किसी दूसरे बच्चे को अपना खिलौना देने से मना करे तो पेरेंट्स को तुरंत ये बातें नहीं कहनी चाहिए, जैसेकि- 'तुम स्वार्थी हो।' 'तुम बहुत जिद्दी हो।' 'अच्छे बच्चे शेयर करते हैं।' इससे बच्चे को यह मैसेज मिलता है कि अपनी चीजों या भावनाओं को व्यक्त करना गलत है। असल वजह समझना जरूरी-कई बार बच्चे को खिलौना शेयर करने से ज्यादा परेशानी इस बात से होती है कि दूसरा बच्चा उसकी चीज बिना पूछे ले रहा है। दोनों परिस्थितियों में अंतर है। ऐसे में बच्चे से पूछें- 'तुम अभी यह खिलौना किसी को नहीं देना चाहते?' या 'तुम्हें डर है कि दूसरा बच्चा इसे खराब कर देगा?' उसका जवाब ध्यान से सुनें। अगर वह खिलौना उस समय खुद इस्तेमाल कर रहा है तो उसे तुरंत छीनकर दूसरे बच्चे को न दें। आप कह सकते हैं- 'अभी तुम खेल रहे हो। जब तुम्हारा खेल पूरा हो जाए तो हम दूसरे बच्चे की बारी रखेंगे।' इससे बच्चे को लगता है कि उसकी भावनाएं सुनी व समझी जा रही हैं। बच्चा अपनी चीजें न दे तो क्या करें? तुरंत डांटें नहीं। पहले उसकी बात सुनें। असल वजह पूछें। समाधान बताएं। शेयर करने पर तारीफ करें। कारण समझें। जबरदस्ती न करें। शेयर करने और अपनी चीज बचाने में फर्क- शेयर करना। बच्चे को शेयरिंग सिखाने का सही तरीका शेयर करने की आदत आदेश देने से नहीं, अभ्यास से विकसित होती है। इसके लिए घर में छोटे-छोटे मौके बनाएं। उदाहरण के लिए- बच्चे को स्नैक देते समय पूछें- 'क्या तुम इसमें से थोड़ा पापा को देना चाहोगे?' अगर वह मना करे तो उसे शर्मिंदा न करें। बोर्ड गेम, गेंद या दूसरे खेलों में 'मेरी बारी-तुम्हारी बारी' का अभ्यास कराया जा सकता है। इससे बच्चा समझता है कि शेयर करने का अर्थ अपनी चीज हमेशा के लिए छोड़ देना नहीं है। कई बार इसका अर्थ केवल कुछ समय के लिए अपनी बारी देना होता है। 'यह खिलौना अभी दोस्त को दो' कहने की बजाय बच्चे को दो विकल्प दें। उदाहरण के लिए- 'तुम यह कार अभी देना चाहते हो या पांच मिनट बाद?' इससे बच्चे को नियंत्रण का अनुभव होता है। अगर कुछ खिलौने उसके लिए स्पेशल हैं तो खेलने से पहले उन्हें अलग रख देना भी अच्छा तरीका है। उसे बताएं- 'ये तुम्हारे खास खिलौने हैं। इन्हें अभी हम अलमारी में रख देते हैं। बाकी खिलौनों से दोस्त खेल सकते हैं।' इससे हर मुलाकात में संघर्ष कम होगा। बच्चे को शेयरिंग सिखाने के लिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं- बच्चे को साझेदारी कैसे सिखाएं? अपनी चीजें शेयर करें। घर से शुरुआत करें। साथ मिलकर खेलें। बच्चे से चीजें उधार मांगें। जैसेकि पेंसिल, पेन, कटर यूज करके सुरक्षित लौटाएं। अपना फूड शेयर करें। चॉकलेट-

महिलाएं होती हैं साइबर ठगों की आसान शिकार,'फोन हैक' होने पर मिलते 11 संकेत,एक्सपर्ट से जानें इस स्कैम से कैसे बचें

लखनऊ। हाल ही में मुंबई की एक 78 साल की बुजुर्ग महिला के साथ 25 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया। साइबर क्रिमिनल्स ने महिला का फोन हैक करके इस स्कैम को अंजाम दिया। स्कैमर्स ने वॉट्सएप के जरिए महिला से संपर्क किया और खुद को बिजली विभाग का अधिकारी बताया। बातचीत से भरोसा जीतने के बाद कनेक्शन में नाम अपडेट के लिए एक एपीके फाइल डाउनलोड करने और पेमेंट करने को कहा। महिला के पेमेंट करते ही उनका फोन हैक हो गया और खाते से 25 लाख रुपए कट गए। ऐसे में इस स्कैम को समझना बेहद जरूरी है।इसलिए 'साइबर लिटरेसी' कॉलम में आज हम 'फोन हैकिंग स्कैम' के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- कैसे पता चलेगा कि फोन हैक तो नहीं हुआ है?फोन हैकिंग से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: राहुल मिश्रा, साइबर सिक्योरिटी एडवाइजर, उत्तर प्रदेश पुलिस जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- फोन हैकिंग स्कैम क्या है? जवाब- ये एक तरह का साइबर फ्रॉड है।इस स्कैम में ठग यूजर का फोन हैक कर लेते हैं। इसके जरिए सेंसिटिव इन्फॉर्मेशन चुरा लेते हैं। बैंक डिटेल्स और पासवर्ड पता कर लेते हैं। इसके बाद बैंक अकाउंट से पैसे निकाल लेते हैं। फोन हैकिंग के लिए ठग फर्जी लिंक, एपीके फाइल का सहारा लेते हैं। सवाल- स्कैमर्स किन तरीकों से फोन हैक कर सकते हैं? जवाब- स्कैमर्स अलग-अलग तरीकों से यूजर को फंसाकर फोन का एक्सेस ले लेते हैं। उनमे से कुछ तरीके-फिशिंग लिंक / मैसेज भेजकर, एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर।



ओटीपी/ वेरिफिकेशन कोड लेकर। सिम स्वैप /सिम हाइजैक करके। कॉल फॉरवर्डिंग एक्टिवेट करके। फर्जी कॉल से भरोसा जीतकर। फिशिंग लिंक/फेक मैसेज फ्रॉड, एसएमएस या वॉट्सएप पर फर्जी लिंक भेजते हैं, जो बैंक, केवाईसी या प्रोडक्ट डिलीवरी के नाम पर होते हैं। लिंक पर क्लिक करते ही यूजर की पर्सनल और बैंकिंग जानकारी स्कैमर्स तक पहुंच जाती है। एपीके फाइल के जरिए फ्रॉड ठग यूजर से एपीके फाइल डाउनलोड करवाते हैं। इंस्टॉल होते ही यह एप फोन का डेटा, मैसेज और ओटीपी तक एक्सेस कर लेता है।ओटीपी या वेरिफिकेशन कोड के जरिए फ्रॉड स्कैमर्स खुद को बैंक या सर्विस एजेंट बताकर ओटीपी मांगते हैं। ओटीपी मिलते ही यूजर का अकाउंट-पासवर्ड बदलकर कंट्रोल ले लेते हैं। सिम स्वैप फ्रॉड ठग यूजर की जानकारी जुटाकर मोबाइल कंपनी से उसका नंबर नए सिम पर ट्रांसफर करवा लेते हैं।इससे असली सिम बंद हो जाता है और सभी ओटीपी स्कैमर को मिलने लगते हैं।

कॉल फॉरवर्डिंग फ्रॉड- यूजर से कोई यूएसएसडी कोड डायल करवाया जाता है, जिससे उसकी कॉल्स दूसरे नंबर पर फॉरवर्ड हो जाती हैं। इससे ओटीपी कॉल्स और जरूरी कॉल्स सीधे स्कैमर तक पहुंचती हैं।

सोशल इंजीनियरिंग-ठग बैंक अधिकारी, कस्टमर केयर या सरकारी एजेंट बनकर कॉल करते हैं। वे यूजर को डर या लालच देकर उसकी जानकारी और एक्सेस ले लेते हैं।सवाल- फोन हैकिंग से क्या नुकसान हो सकते हैं? जवाब- फोन हैक करने के बाद स्कैमर्स पैसे उड़ाने के साथ के साथ निजी डेटा का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। यूजर के अकाउंट्स से दूसरों को भी ठगी का शिकार बना सकते हैं। सवाल- कैसे पता चलेगा कि फोन हैक तो नहीं हुआ है? अचानक नेटवर्क चला जाए। अचानक सिम बंद हो जाए। बेवजह ओटीपी आने लगें। अलर्ट मैसेज आने लगें। फर्जी ट्रांजैक्शन हो।अकाउंट्स लॉगआउट हो जाएं। संदिग्ध एक्टिविटी दिखे। फोन स्लो चलने लगे। कॉन्टैक्ट्स को फर्जी मैसेज मिले।अनजान एप्स इंस्टॉल दिखें। कॉल/एसएमएस फॉरवर्ड होने लगे।सवाल- फोन हैकिंग का पता चलने पर तुरंत क्या करना चाहिए?जवाब- ऐसी स्थिति में घबराएं नहीं, तुरंत कार्रवाई करें- सिम सर्विस प्रोवाइडर से अपना सिम ब्लॉक करवाएं।बैंक से संपर्क करके अकाउंट्स ब्लॉक कराएं।किसी दूसरे डिवाइस से सोशल मीडिया अकाउंट के पासवर्ड बदलें।सभी संदिग्ध एप्स अनइंस्टॉल करें। फोन फैक्ट्री रीसेट करें।नजदीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज करें। साइबर क्राइम पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) पर शिकायत करें। सवाल- फोन हैकिंग स्कैम से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- किसी भी स्कैम से बचने के लिए सतर्क रहना सबसे जरूरी है। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर अपने फोन और अकाउंट्स को सुरक्षित रख सकते हैं। 1. फर्जी कॉल पर बात न करें। 2 किसी के बहकावे, डर में न आएं।



3 किसी भी ऑफर पर भरोसा न करें। 4 अनजान लिंक पर क्लिक न करें। 5 फोन में जरूरी एप ही रखें। 6 एपीके फाइल पर क्लिक न करें। 7 ओटीपी, पिन किसी से शेयर न करें। 8 फोन पासवर्ड मजबूत रखें।9 टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन रखें। 10 फोन में लॉक लगाकर रखें। 11. फोन, एप्स हमेशा अपडेटेड रखें।

सवाल- टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) क्या है? इसे फोन में इनेबल करना क्यों जरूरी है?जवाब- यह फोन को अतिरिक्त सुरक्षा देता है। जैसेकि- लॉगिन के लिए पासवर्ड के अलावा दूसरा वेरिफिकेशन (जैसे ओटीपी, फिंगरप्रिंट या ऑथेंटिकेटर एप कोड) भी जरूरी होता है।अगर गलती से पासवर्ड लीक हो जाए, तब भी अकाउंट सेफ रहने के चांस रहते हैं। कोई भी अनजान व्यक्ति आपके अकाउंट में आसानी से लॉगिन नहीं कर सकता है।साइबर फ्रॉड से बचाव का सबसे आसान और जरूरी तरीका है - संदेह करना। कोई भी कॉल, लिंक या ऑफर अगर असामान्य लगे, तो तुरंत रुकें और उसे वेरिफाई करें। वेरिफाई न हो तो मानकर चलें कि वो फ्रॉड ही है।सवाल- फोन हैक की शिकायत कहां और कैसे करें? जवाब- सबसे पहले अपने बैंक और मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर को सूचित करें। नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके तुरंत सहायता लें। cybercrime.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। नजदीकी साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करें। शिकायत करते समय सभी सबूत (जैसे स्क्रीनशॉट, मैसेज या कॉल डिटेल) साथ रखें, ताकि कार्रवाई जल्दी हो सके।

रिश्ते सलाह से नहीं, साथ देने से संभलते हैं,मुश्किल में फंसे व्यक्ति को तुरंत समाधान न बताएं, उसे सुनें-समझें, यही उसके लिए मदद है

वॉशिंगटन। किसी अपने को दुख, तनाव या असफलता से जूझते देखकर हमारी पहली प्रतिक्रिया सलाह देने की होती है। लेकिन मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि यह सही नहीं है। सही मदद का मतलब समस्या का हल बताना नहीं, बल्कि उसे यह एहसास दिलाना है कि वह अकेला नहीं है। जब व्यक्ति महसूस करता है कि उसकी बात सुनी और समझी गई है, तभी वह बेहतर फैसला लेने की स्थिति में आता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, संकट के दौर से गुजर रहे व्यक्ति को सबसे पहले भावनात्मक सुरक्षा चाहिए। उसे तुरंत सलाह देने के बजाय पहले उसकी भावनाओं को स्वीकार करना और बिना निर्णय के सुनना अधिक असरदार होता है। इससे भरोसा बढ़ता है और व्यक्ति खुद समाधान तक पहुंचने में सक्षम बनता है।

टेनेसी की मनोचिकित्सक एली स्पॉट्स-डी लाजर कहती हैं कि सलाह तब असर करती है, जब व्यक्ति पहले यह महसूस कर ले कि उसकी बात सचमुच सुनी गई है। इसलिए 'यह बहुत कठिन होगा' या 'मैं तुम्हारे साथ हूं' जैसी छोटी बातें ज्यादा प्रभावी साबित होते हैं। लॉस एंजेलिस की विवाह एवं परिवार विशेषज्ञ शेरिल ग्रॉसकोफ के मुताबिक, सलाह देने की जल्दबाजी कई बार सामने वाले से ज्यादा हमारी अपनी बेचैनी को शांत करने की कोशिश होती है। हर समस्या का तुरंत समाधान संभव नहीं होता। ऐसे में अनिश्चितता को स्वीकार करने में मदद करना ज्यादा उपयोगी है। सवाल पूछें, आदेश न दें- वर्जीनिया की क्लीनिकल सोशल वर्कर मैरी मैकलॉफलिन कहती हैं कि व्यक्ति अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा विशेषज्ञ खुद होता है। इसलिए 'तुम्हें ऐसा करना चाहिए', कहने के बजाय 'तुम्हें क्या सही लगता है?' या 'तुम्हें सबसे बड़ी चिंता किस बात की है?' जैसे सवाल व्यक्ति को अपने उत्तर खोजने में मदद करते हैं। इससे उसका आत्मविश्वास भी बना रहता है। न्यूयॉर्क की मनोवैज्ञानिक मेलिसा ग्लक बताती हैं कि सीधे पूछ लें- 'तुम्हें अभी मेरी किस तरह की मदद चाहिए? सिर्फ सुनूं या कोई सुझाव दूं?' इससे अनचाही सलाह देने की गलती नहीं होती।सवाल पूछें, बच्चों की देखभाल या छोटे कामों में मदद करें-विशेषज्ञों के अनुसार, बातचीत के दौरान कुछ पल का शांत विराम भी मददगार होता है।

मनोविज्ञान में इसे को-रेगुलेशन कहा जाता है, जिसमें शांत व्यवहार सामने वाले के तनाव को कम करने में मदद करता है। इसके विपरीत, जरूरत से ज्यादा घबराहट दिखाना उसकी चिंता और बढ़ा सकता है। अच्छी भावनात्मक मदद के 5 तरीके-1. पहले सुनें, बाद में सलाह दें। 2. व्यक्ति की भावनाओं को सही ठहराएं, उन्हें कमतर न आंकें। 3. 'मैं क्या करूं?' पूछकर उसकी जरूरत समझें। 4. सलाह देने के बजाय खुले सवाल पूछें। 5. जरूरत हो तो भोजन, बच्चों की देखभाल या छोटे कामों जैसी व्यावहारिक मदद भी कर सकते हैं।





सामंथा प्रभु ने बेटे को दिया जन्म, नाम 'देव' रखा, फोटो शेयर कर दी जानकारी

मुंबई/चेन्नई। एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरु माता-पिता बन गए हैं। सामंथा ने गुरुवार को बेटे को जन्म दिया। कपल ने अपने बेटे का नाम 'देव निदिमोरु' रखा है। शुक्रवार को सामंथा ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर कर यह जानकारी दी। इस फोटो में बच्चा उनकी उंगली पकड़े नजर आ रहा है। हालांकि, इंस्टाग्राम पर इस तस्वीर को 'एआई कंटेंट' के तौर पर लेबल किया गया है। पोस्ट सामने आने के बाद सेलेब्स और फैंस कपल को शुभकामनाएं दे रहे हैं।सामंथा रुथ प्रभु ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'हमारा प्यारा बेटा देव निदिमोरु। हमारे दिल पहले से कहीं ज्यादा खुश हैं। सामंथा और राज।' इस पोस्ट पर फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने कमेंट कर खुशी जताई है। एक्ट्रेस वरलक्ष्मी सरथकुमार ने कपल को प्यार भेजा। वहीं, फिल्म 'मां इंटी बंगाराम' में सामंथा की को-स्टार रहीं श्रीमुखी ने लिखा, 'ओएमजी, बधाई हो सैम।' सिंगर और एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने कमेंट किया, 'बधाई हो, आप तीनों को ढेर सारा प्यार।' बेटे के जन्म से पहले सितंबर में सामंथा की पारंपरिक गोद भराई (सीमंतम) की रस्म हुई थी। इसके बाद हाल ही में परिवार ने 'मातृ शिशु मंगल आशीर्वादम' समारोह का आयोजन किया था। सामंथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरु ने साल 2021 में वेब सीरीज 'द फैमिली मैन सीजन 2' में पहली बार साथ काम किया था। इसके बाद दोनों ने 2024 की वेब सीरीज 'सिटाडेल: हनी बनी' के लिए फिर से हाथ मिलाया। साथ काम करने के दौरान दोनों को कई इवेंट्स में साथ देखा गया, जिसके बाद उनके रिलेशनशिप की चर्चा शुरू हुई। दिसंबर 2025 में दोनों ने कोयंबटूर स्थित ईशा योग सेंटर के लिंग भैरवी मंदिर में 'भूत शुद्धि विवाह' पद्धति से शादी कर अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप दिया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा और राज हाल ही में फिल्म 'मां इंटी बंगाराम' में साथ काम करते नजर आए थे। सामंथा को इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला था। बॉक्स ऑफिस पर भी इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और इसने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया।



स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड
पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.)
से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।